

मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम में श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में अशोक सिंहल के योगदान को किया स्मरण



पेज-8

संस्थापक : स्व . श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनापथ

पंतकूला

सोमवार

28 सितंबर, 2026

वर्ष:25 अंक: 95

कुल पृष्ठ:08

मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ।

www.hindjanpath.com

मोटी-मोटी

बातें

मेरे परिवार को गाली दी... तिलक नगर में सड़क पर सियासी घमासान, मंत्री प्रवेश वर्मा पर युवक को जड़ा थपड़



हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। तिलक नगर में बन रही एक सड़क के निरीक्षण के दौरान दिल्ली के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और स्थानीय AAP विधायक जर्नैल सिंह के बीच तीखी बहस हुई। आरोप है कि सड़क की हालत का वीडियो बनाते समय एक स्थानीय व्यक्ति को थपड़ मारा गया।

वर्मा सड़क निर्माण के काम का निरीक्षण करने के लिए इलाके में पहुंचे थे, तभी सिंह भी वहां पहुंच गए। AAP विधायक ने काम की क्वालिटी पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि निर्माण जरूरी मानकों के मुताबिक नहीं था। सिंह ने कुछ लोगों के साथ मिलकर सड़क की संतह का एक हिस्सा अपने हाथों से उड़ाया और मंत्री को दिखाया। इससे दोनों नेताओं और उनके समर्थकों के बीच तीखी बहस हो गई।

बहस के दौरान, एक स्थानीय युवक कथित तौर पर अपने फोन पर बातचीत और सड़क की हालत रिकॉर्ड कर रहा था। आरोप है कि घटना का वीडियो बनाते समय वर्मा ने उस व्यक्ति को थपड़ मारा। यह कथित घटना वीडियो में भी कैद हो गई। इस घटना के बाद आप ने वर्मा पर हमले तेज कर दिए। दिल्ली यूनिट के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि मंत्री ने पुलिस सुरक्षा के बीच युवक के साथ मारपीट की।

एशियन गेम्स: एंसी सोजन ने 'लॉन्ग जंप' में जीता सिल्वर, चौथे स्थान पर रहीं शैली

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत की एंसी सोजन ने महिलाओं की लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल जीता। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में हुए रोमांचक मुकाबले में चीन की हुआंग यिंगिया ने अपनी आखिरी जंप में 6.55 मीटर की दूरी तय करते हुए गोल्ड अपने नाम किया और भारतीय खिलाड़ी को सिर्फ दो सेंटीमीटर से पछाड़ा। शैली सिंह मुकाबले के ज्यादातर समय मेडल की दौड़ में बनी हुई थीं, लेकिन अंततः चौथे स्थान पर रहीं। एंसी ने अपनी पहली ही कोशिश में 6.49 मीटर की दूरी तय करते हुए गोल्ड मेडल की स्थिति बना ली थी, लेकिन उनकी दूसरी जंप फाउल करार दी गई। हालांकि, उनकी पहली कोशिश उन्हें मुकाबले के दौरान शीर्ष पर बनाए रखने के लिए काफी थी। दूसरी तरफ, शैली ने 6.25 मीटर के साथ शुरुआत करते हुए अपनी दूसरी कोशिश में 6.34 मीटर तक पहुंची। उन्होंने अपनी तीसरी जंप में भी वही दूरी तय की और तीन राउंड के बाद शीर्ष आठ खिलाड़ियों में जगह बनाकर मेडल की दौड़ में बनी रहीं।

उत्तर भारत में मौसम का भीषण प्रकोप : यूपी में 65 घंटे की बारिश से 29 की मौत, बिहार में कोसी-गंडक के उफान से 500 घर डूबे

नई दिल्ली/लखनऊ/पटना। उत्तर और पूर्वी भारत के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बेहद खतरनाक बना हुआ है। उत्तर प्रदेश में पिछले 65 घंटों से जारी मूसलाधार बारिश और तेज आंधी के कारण दो दिनों में 29 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि बिहार में नदियों के उफान से बाढ़ के हालात गंभीर हो गए हैं। वहीं, पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी और मैदानी हिस्सों में भारी बारिश के चलते जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, उनाव, बाराबंकी, अयोध्या, चित्रकूट और जौनपुर सहित करीब 45 शहरों में पिछले 65 घंटों से रुक-रुक कर भारी बारिश हो रही है।

29 मौतें और भारी नुकसान: आंधी-बारिश और बिजली गिरने से जुड़े हादसों में अब तक 29 लोगों की जान जा चुकी है। सैकड़ों बीघा फसलें जलमग्न होकर बर्बाद हो गई हैं तथा जगह-जगह पेड़ और बिजली के पोल गिरने से विद्युत आपूर्ति टप है।

नदियां उफान पर: 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफतार से चल रही हवाओं के बीच 22 जिलों में अचानक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। चित्रकूट में मंदकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे प्रमुख घाटों की सीढ़ियां पूरी तरह डूब गई हैं।

बिहार: कोसी और गंडक ने बड़ाई मूसीबत, 17 जिलों के गांव घिरे नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते बिहार की कोसी और गंडक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं:

हजारों गांव प्रभावित: साइक्लोन 'अनर्नब' का असर भले ही कमजोर हुआ हो, लेकिन पिछले 72 घंटों की बारिश से 17 जिलों के लगभग 6,000 गांव टापु में तब्दील हो गए हैं।

अफगानिस्तान को भारत ने भेजी दवाएं और चिकित्सा सामग्री

नई दिल्ली। भारत ने हमेशा की तरह एक बार फिर जिम्मेदार पड़ोसी का फर्ज अदा करते हुए अफगानिस्तान को जरूरी जीवन रक्षक दवाएं और चिकित्सा सामग्री भेजी है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इस खेप के काबुल पहुंचने की जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इससे संबंधित एक बयान जारी किया। बताया कि अफगानिस्तान के लोगों के लिए भारत की मानवीय सहायता में स्वास्थ्य सेवाएं हमेशा से अहम रही हैं। भारत हमेशा से ही अफगानिस्तान को मेडिकल एड पहुंचाने में तत्पर रहा है। पिछले दो महीनों की ही बात करें तो भारत ने मानवीय सहायता के तहत आपस्त और सितंबर में अफगानिस्तान को आवश्यक दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों की महत्वपूर्ण खेप भेजी थी।

श्री अकाल तख्त साहिब हमारे सभी के लिए सर्वोच्च हैं; श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा के लिए सख्त से सख्त कानून सुनिश्चित किया जाएगा: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज दोहराया कि श्री अकाल तख्त साहिब हम सभी के लिए सर्वोच्च हैं और उनकी सरकार बेअदबी के विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी ढांचे को सुनिश्चित कर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। राज्य सरकार द्वारा गठित सात सदस्यीय उच्च स्तरीय कमेटी के साथ हुई विस्तृत बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बेअदबी करने वालों के लिए उपकैद और भारी जुर्माना इस कानून का मुख्य आधार हैं और इसमें कोई ढील नहीं दी जा सकती।

आज यहां मुख्यमंत्री आवास पर हुई इस बैठक में ‘जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन, 2026)’ की कुछ धाराओं को लेकर उठाई गई आशंकाओं तथा विचार-विमर्श और आपसी सहमति के

माध्यम से इनके समाधान पर चर्चा की गई। उन्होंने कमेटी को निर्देश दिया कि प्रस्तावित संशोधनों की समीक्षा की जाए, सुझावों पर विचार किया जाए और सहमति बनाने के लिए श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा गठित



पैनल के साथ विस्तृत एवं निरंतर बैठकें की जाएं। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि यह कानून श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा के प्रति अपनी मूल भावना पर कायम रहे और सिख संगत के आहत हृदयों पर महम लगाने का काम करे।

इस दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, “श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा गठित पैनल के साथ इस कानून की धाराओं पर चर्चा करने और सहमति बनाने की दिशा में काम करते समय इस कानून की मूल भावना और मुख्य उद्देश्य से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। बेअदबी करने वालों के लिए

उपकैद और भारी जुर्माने की व्यवस्था इस कानून का मुख्य आधार है। इसलिए इसमें कोई ढील नहीं दी जानी चाहिए।”

मुख्यमंत्री ने कहा, “इसमें कोई संदेह नहीं कि इस कानून ने बेअदबी की बार-बार हो रही घटनाओं के कारण सिख संगत के आहत हृदयों को राहत प्रदान की है। पहली बार ऐसा धिनौना अपराध करने के बारे में सोचने वालों में भय की भावना पैदा हो रही है।”

उन्होंने आगे कहा, “हमारी सरकार का मुख्य उद्देश्य बेअदबी के दोषियों के लिए सख्त से सख्त सजा सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी व्यक्ति कभी भी ऐसा गंभीर

दिशा सालियान मामले में वकील नीलेश ओझा ने सीबीआई को सौंपी चिट्ठी, सुरक्षा की मांग

मुंबई। दिशा सालियान मामले में वकील नीलेश ओझा ने सीबीआई को चिट्ठी सौंपी है और सुरक्षा की मांग की। मुंबई में आईएनएस से बातचीत में वकील नीलेश ओझा ने कहा कि कल जो चिट्ठी भेजी गई थी, वह सीबीआई को सौंपी गई और उसकी कॉपी सभी को दी गई। इसमें खास तौर पर कुछ मांगें की गई हैं। वकील नीलेश ओझा ने कहा कि सतीश सालियान और हमने केस लड़ा और हमारे द्वारा उठाए गए सभी मुद्दे सही गए गए। मुंबई पुलिस, मातंगवी पुलिस स्टेशन और एसआईटी की धोखाधड़ी का पर्दाफाश हुआ। कोर्ट ने अपने 44 पेज के आदेश में उनकी धोखाधड़ी और मुंबई पुलिस की गलत हरकतों का विस्तार से जिक्र किया है। कोर्ट ने मुंबई पुलिस की एसआईटी रिपोर्ट को खारिज कर दिया और सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। इसी के मुताबिक, सतीश सालियान के बयान के आधार पर एफआईआर भी दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि हमारे पत्र में तीन मुद्दे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आदित्य ठाकरे और

डिनो मोरिया मुंबई में ड्राफ्ट का धंधा करते हैं। गैररप और मर्डर के मुख्य आरोपी के खिलाफ हमने सारे सबूत और पेन ड्राइव भी दे दी है। हमारे पास और भी प्रत्यक्षदर्शी हैं। अगर जरूरत होगी तो हम सीबीआई को और भी सबूत देंगे।

सुरक्षा के मुद्दे का जिक्र करते हुए वकील ने कहा कि जो इस मामले में आरोपी हैं, उन्हें सुरक्षा मुद्देया कराई गई है, लेकिन जो केस लड़ रहा है, उसे सुरक्षा नहीं है। अगर हमारे किसी व्यक्ति की जान को खतरा होता है, तो इसके लिए पहले आरोपी मुंबई पुलिस कमिश्नर देवेंद्र

भारती होंगे।

दूसरी बात, इस बिंदु पर गौर करें। सुप्रीम कोर्ट का यह तय कानून है कि जब भी किसी गंभीर मामले में ऐसी एफआईआर या जांच करी जाती है—भले ही एफआईआर दर्ज न की गई हो और विभागीय जांच भी शुरुआती तौर पर चल रही हो—तो सबसे पहली बात यह है कि हाई कोर्ट के आदेश में शुरुआती सबूत स्थापित हो चुके हैं, जिसमें पुलिस द्वारा बनाए गए झूठे रिकॉर्ड भी शामिल हैं।

डोंगाघाट में बाढ़ में फंसे 18 लोगों का वायुसेना ने किया रेस्क्यू

जगदलपुर- छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में चक्रवाती चक्रान 'अनर्नब' के प्रभाव से हुई भारी बारिश के कारण बाढ़ से प्रभावित डोंगाघाट क्षेत्र में फंसे 18 लोगों को रविवार को भारतीय वायुसेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टर की मदद से सुरक्षित निकाला गया। लगातार बारिश के बाद क्षेत्र में जलस्तर तेजी से बढ़ने से बाढ़ का पानी कई घरों में प्रवेश कर गया था। इसके चलते ग्रामीणों और बच्चों को सुरक्षित स्थानों तथा मकानों की छतों पर शरण लेनी पड़ी। गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन और सुरक्षा बलों ने बचाव अभियान शुरू किया।

प्रशासन के अनुसार डोंगाघाट में फंसे लोगों को निकालने के लिए भारतीय वायुसेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टर की सहायता ली गई। हेलीकॉप्टर के माध्यम से कुल 18 लोगों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। बचाव अभियान बस्तर कलेक्टर आकाश छिकार और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा की निगरानी में संचालित किया गया। प्रशासन की टीमों बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने के साथ ही नावों और अन्य उपलब्ध संसाधनों के जरिए प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तथा राहत शिविरों तक पहुंचाने में जुटी हुई हैं।

हजारों गांव प्रभावित: साइक्लोन 'अनर्नब' का असर भले ही कमजोर हुआ हो, लेकिन पिछले 72 घंटों की बारिश से 17 जिलों के लगभग 6,000 गांव टापु में तब्दील हो गए हैं।

LPU में बवाल के बाद SAT जांच, छात्रा की शिकायत पर FIR दर्ज; यूनिवर्सिटी ने अफवाहों को बताया ‘झूठा और मनगढ़ंत’

हिन्द जनपथ

जालंधर(ब्यूरो)। फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (LPU) में छात्रा से कथित दुष्कर्म की सूचना को लेकर हुए हंगामे के बाद पुलिस ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (SAT) गठित किया है। वहीं, एक छात्रा के बयान पर सतनामपुरा थाने में FIR दर्ज की गई है। पुलिस और विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से मामले को लेकर अलग-अलग तथ्य सामने आए हैं।

रविवार तड़के सोशल मीडिया पर एक छात्रा के साथ विश्वविद्यालय परिसर में बारी व्यक्ति द्वारा कथित दुष्कर्म की सूचना फैलने के बाद बड़ी संख्या में छात्र कैंपस में जमा हो गए थे। इसके बाद प्रदर्शन उग्र हो गया और छात्रों ने कथित तौर पर विश्वविद्यालय की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। प्रदर्शनकारियों



ने जालंधर-फगवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग को भी जाम कर दिया था।

LPU ने सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही सूचनाओं को “झूठ, निराधार और मनगढ़ंत” बताया है। विश्वविद्यालय की

रजिस्ट्रार मोनिका गुलाटी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि कुछ “असामाजिक तत्व” भ्रमक सूचनाएं फैला रहे हैं।

विश्वविद्यालय के अनुसार, अफवाहों को जिस तरह प्रसारित किया जा रहा है, उससे

“नमो मैराथन में फरीदाबाद की धरती से नशे के खिलाफ आज हरियाणा की बुलंद आवाज उठी है” : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

कहा, मैराथन में आगे बढ़ रहे ये कदम केवल सड़क पर दौड़ नहीं रहे, बल्कि नशे के खिलाफ प्रदेश की सामूहिक चेतना और संकल्प को आगे ले जा रहे हैं

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। “नमो मैराथन में फरीदाबाद की धरती से नशे के खिलाफ आज हरियाणा की बुलंद आवाज उठी है।” मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को सूरजकुंड की ऐतिहासिक धरती से ‘नशा-मुक्त हरियाणा फरीदाबाद नमो मैराथन-2026’ को हरी झंडी दिखाते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि मैराथन में आगे बढ़ रहे ये कदम केवल सड़क पर दौड़ नहीं रहे, बल्कि नशे के खिलाफ प्रदेश की सामूहिक चेतना और संकल्प को आगे ले जा रहे हैं।

फरीदाबाद में आयोजित इस भव्य मैराथन में 1 लाख 35 हजार से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया और लगभग सभी पंजीकृत प्रतिभागी मैराथन में भाग लेने के लिए पहुंचे। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता ने सूरजकुंड को नशामुक्ति के सामूहिक संकल्प की विराट तस्वीर में बदल दिया। सुबह से ही आयोजन स्थल पर युवाओं, महिलाओं,

बुजुर्गों, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। यह आयोजन केवल एक दौड़ तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नशामुक्ति, फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली, युवा शक्ति, सामाजिक एकजुटता और राष्ट्र निर्माण का व्यापक जनसंदेश बनकर सामने आया। बड़ी संख्या में युवाओं ने पूरे जोश के साथ मैराथन में हिस्सा लेकर



नशे से दूर रहने और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने का संदेश दिया। महिलाओं और बुजुर्गों की उल्लेखनीय भागीदारी ने भी यह स्पष्ट किया कि नशे के खिलाफ अभियान किसी एक वर्ग का नहीं, बल्कि पूरे

समाज का साझा संकल्प है।

दूरी अलग-अलग, लेकिन मंजिल एक—नशामुक्त हरियाणा

मैराथन में 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। किसी की दूरी अलग थी, किसी की गति अलग थी और उम्र भी अलग-अलग थी, लेकिन सभी की मंजिल एक थी—नशामुक्त हरियाणा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मैराथन में शामिल प्रतिभागियों पर पुष्प वर्षा कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा की पहचान पसीना, पदक और पराक्रम है। हरियाणा का युवा नशे से नहीं, बल्कि मेहनत, प्रतिभा और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण से पहचाना जाता है। उन्होंने युवाओं से नशे को दृढ़ता से ‘ना’ कहने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा शरीर को कमजोर करने के साथ-साथ सपनों को छीनता है, परिवार को प्रभावित करता है

और समाज को खोखला करता है। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को नशे में नहीं, बल्कि खेल, शिक्षा, कौशल, रोजगार, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में लगाने का आह्वान किया।

'अमेरिका-इजरायल के हमले के बाद मोजतबा खामेनेई को तेहरान के एक अस्पताल से मलबे से निकाला गया था

तेहरान- अमेरिका और इजरायल की ओर से किये गये हमले के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को तेहरान के एक अस्पताल के मलबे से बाहर निकाला गया था।

न्यूयॉर्क पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। न्यूयॉर्क पोस्ट ने ईरान की विशेषज्ञों की सभा के सदस्य मोहसेन हेदरी के हवाले से यह जानकारी दी है। श्री हेदरी ने कतर के टेलीविजन नेटवर्क अल अरब की एक बातचीत में यह खुलासा किया। उन्होंने कहा कि फरवरी में हुए दूसरे हमले में खामेनेई बच गए थे। इससे पहले उनके पिता को निशाना बनाकर किए गये हमले में वह बाल-बाल बचे थे।

गौतलब है कि 28 फरवरी को हुए हमले में अयातुल्ला अली खामेनेई के तेहरान स्थित परिसर को निशाना बनाया गया था। इस हमले में 86 वर्षीय सर्वोच्च नेता सहित कई वरिष्ठ लोगों की मौत हो गयी थी। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, हेदरी ने कहा, ‘घायल होने और अस्पताल ले जाए जाने के बाद भी तेहरान के तीन अस्पतालों पर बमबारी की गयी।’ उन्होंने कहा, ‘मोजतबा खामेनेई तीसरे अस्पताल में थे और उन्हें मलबे से बाहर निकाला गया।’

दक्षिण अफ्रीका में सड़क हादसा : ट्रक से टकराई मिनीबस, 11 की मौत और 8 घायल

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के क्वाजुलु-नताल प्रांत में रविवार को सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 8 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार मिनीबस और ट्रक की ये आमने-सामने की भिड़ंत थी। ‘ड्रिडपेंडेंट ऑनलाइन’ ने प्रांत के ट्रंसपोर्ट और ह्यूमन सेटलमेंट्स विभाग के हवाले से बताया कि यह हादसा स्थानीय सप्तामयुनार सुबह करीब 4 बजे (0200 जीएमटी) इन्कोसी मुगुतुबा म्युनिसिपैलिटी में एन2 हाईवे पर हुआ। उत्तर की ओर जा रही एक मिनीबस टेक्सी विपरीत दिशा यानी दक्षिण की ओर आ रहे ट्रक से टकरा गई। धमके सी आवाज सुनाई दी और इसके ही साथ वाहन में आग लग गई। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए (इनमें दो लोग भी हैं जो झुलस गए थे) और उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि रोड ट्रैफिक मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन पुलिस के साथ मिलकर हादसे की असल वजह का पता लगाएगा।

मिनीबस टेक्सी दक्षिण अफ्रीका में पब्लिक ट्रान्सपोर्ट के प्रमुख साधनों में से एक हैं, लेकिन अक्सर ये जानलेवा हादसों का कारण बन जाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि 13 सितंबर को दक्षिण अफ्रीका के वेस्टर्न केप प्रांत में एक सड़क हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई थी। यह हादसा 13 सितंबर को स्थानीय समय के अनुसार रात करीब 11:30 बजे (2130 जीएमटी) प्रांत में प्रिंस अल्बर्ट और लीउ-नाम्फका के बीच एन1 हाईवे पर हुआ, जिसमें दो मिनीबस टेक्सी और एक स्टेशन वैगन शामिल थीं।

कालाअम्ब में बेकाबू ट्रक ने टोल बैरियर उड़ाया, बाल-बाल बचे कर्मचारी; चालक हिरासत में



कालाअम्ब— हिमाचल प्रदेश की सीमा पर स्थित कालाअम्ब में देर रात एक बेकाबू ट्रक ने एंट्री टोल टेक्स के बैरियर को टक्कर मारकर उड़ा दिया। हादसे के समय टोल बैरियर पर तैनात कर्मचारी बाल-बाल बच गए। ट्रक को तेज गति से अपनी ओर आता देखकर कर्मचारियों ने समय रहते सामने से हटकर अपनी जान बचाई।

बताया जा रहा है कि हादसे के समय बैरियर पर करीब चार से पांच कर्मचारी मौजूद थे। अचानक बेकाबू ट्रक को अपनी ओर आता देख सभी तुरंत वहां से हट गए। यदि कर्मचारी समय रहते नहीं हटते तो बड़ा हादसा हो सकता था।

हादसा हिमाचल प्रदेश के प्रवेश द्वार के बिल्कुल साथ सटे हरियाणा की ओर हुआ। ट्रक की टक्कर से टोल बैरियर को नुकसान पहुंचा। हादसे की सूचना मिलते ही हरियाणा पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया।

पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर ट्रक के बेकाबू होने की बात सामने आ रही है। पुलिस की जांच के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

सड़क से सदन तक मंत्री बनाने के दावे, तो आलाकमान के सामने खामोश क्यों हैं मुख्यमंत्री : जयराम ठाकुर



हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सड़क से लेकर सदन तक अपने विधायकों को मंत्री बनाने के दावे करते रहे हैं, लेकिन जब अपनी ही पार्टी के आलाकमान के सामने इन दावों को अमलीजामा पहनाने की बात आती है तो खामोश हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने विधानसभा के अंदर और जनसभाओं में एक विधायक को मंत्री बनाने की घोषणा तक कर दी, लेकिन करीब एक वर्ष बीत जाने के बाद भी उस घोषणा पर कोई अमल नहीं हुआ है। इससे स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री अपनी ही पार्टी की प्रभारी को अंधेरे में रखकर विधायकों को मंत्री बनाने का लालच देकर अपना गुरु मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अब मुख्यमंत्री की काम करने की शैली की उनकी ही पार्टी की प्रभारी ने बखिया उधेड़ दी है। कांग्रेस विधानसभा की प्रभारी मीडिया को बताती हैं कि हिमाचल में मंत्रिमंडल हिस्तार का कोई प्रस्ताव ही नहीं आया है। ऐसे में साफ है कि मुख्यमंत्री लोगों को अंधेरे में जरूर रख रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विधानसभा के अंदर लगभग एक वर्ष पहले मुख्यमंत्री ने एक विधायक को मंत्री बनाने की घोषणा की थी। इसकी वजह यह थी कि वह विधायक महोदय विपक्ष पर अनर्गल आरोप लगाकर मुख्यमंत्री को बचा रहे थे। इसलिए उन्हें प्रमोट करने के लिए मुख्यमंत्री ने स्वयं यह बात कही थी कि इनको मंत्री बनाया जाएगा। वह विधायक हर जगह मुख्यमंत्री के साथ दिखाई देते हैं। जहां मुख्यमंत्री का प्रवास होता है, वे उनके साथ होते हैं। दिल्ली जाना हो तो दिल्ली पहुंच जाते हैं, शिमला में कार्यक्रम हो तो शिमला पहुंच जाते हैं, मंडी में कार्यक्रम हो तो मंडी पहुंच जाते हैं। जहां मुख्यमंत्री खड़े होते हैं, उनके पीछे भी वे खड़े दिखाई देते हैं।

रोहड़ु अस्पताल बना बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का भरोसेमंद केंद्र

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। प्रदेश सरकार दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों तक आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ चिकित्सकों एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य कर्मचारियों की तैनाती की जा रही है, जिससे लोगों को अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

इसी कड़ी में नागरिक अस्पताल रोहड़ु दूरदराज क्षेत्रों के लोगों को आधुनिक एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अस्पताल में विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होने से क्षेत्र के लोगों को उपचार एवं आवश्यक जांच के लिए शिमला जाने की आवश्यकता कम हुई है और उन्हें अपने घर के समीप ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं।

अस्पताल 24 घंटे दे रहा स्वास्थ्य सेवाएं – डॉ रविंद्र शर्मा
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, नागरिक अस्पताल रोहड़ु, डॉ. रविंद्र शर्मा ने बताया कि अस्पताल में 24 घंटे, सातों दिन आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं। नागरिक अस्पताल रोहड़ु शिमला जिला के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ पड़ोसी राज्य उत्तराखंड की करीब ०2 लाख से अधिक आबादी को भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। अस्पताल में सीटी स्कैन, एक्स-रे एवं अल्ट्रासाउंड की सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि अस्पताल में 5० बिस्तरों वाला क्रिटिकल केयर ब्लॉक, 8 बिस्तरों की एसएनसीयू तथा 4 बिस्तरों की डे-केयर कैसर यूनिट स्थापित की जा रही है, जिससे क्षेत्रवासियों को और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी।

करीब 3 लाख लोगों को मिल रहा स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

नागरिक अस्पताल रोहड़ु से रोहड़ु, जुबबल, कोटखाई, चौपाल एवं डोडरा-क्वार क्षेत्र के साथ-साथ पड़ोसी राज्य उत्तराखंड के लोगों को भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है। रोहड़ु नागरिक अस्पताल क्षेत्र की करीब ०3 लाख की आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। अस्पताल में कुल 200 बिस्तरों की क्षमता है तथा प्रतिदिन औसतन 800 से 1000 मरीज ओपीडी में उपचार के लिए पहुंचते हैं। अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 120 से 130 मरीजों को इनडोर उपचार की सुविधा मिल रही है। इसके अलावा अस्पताल में हर माह औसतन 100 से 120 बच्ची एवं छोटी सर्जरी तथा 110 से 115 प्रसव करवाए जा रहे हैं।

राज्यपाल ने स्वच्छ ,स्वस्थ और नशामुक्त हिमाचल के लिए युवाओं से नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आह्वान किया



हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। राज्यपाल ने रोटरी क्लब शिमला मिडटाउन के वार्षिक ‘मंथन’ के 25 वें संस्करण को किया संबोधित राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता आज रोटरी क्लब शिमला मिडटाउन द्वारा आयोजित वार्षिक कार्यक्रम ‘मंथन’ के 25 वें संस्करण में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम के 25संस्करण पूरे होने पर क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई दी औरविद्यार्थियों में जागरूकता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा देनेके लिए इस पहल की सराहना की।कार्यक्रममें शिमला और आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न विद्यालयों के 400 से अधिकविद्यार्थियों के साथ लगभग 150 शिक्षक, अभिभावक तथा रोटरी क्लब के सदस्य शामिलहुए। इस अवसर पर पर्यावरण संबंधी चिंताओं, जनसंख्या से जुड़ी चुनौतियों तथानशे के दुरुपयोग की रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्नप्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन किया गया।राज्यपालने प्रतिभागी विद्यार्थियों की रचनात्मकता और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि‘मंथन’ के माध्यम से उठाए जा रहे विषय समाज के समक्ष मौजूद महत्वपूर्ण चुनौतियों में शामिल हैं और इनका



प्रभाव आने वाली पीढ़ियों केभविष्य पर भी पड़ेगा।कविन्द्रगुप्ता ने प्रदेश की संवेदनशील पारिस्थितिकी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हिमाचलप्रदेश के वन, जल स्रोत, नदियां, ग्लेशियर, पर्वत और जैव विविधता केवल प्राकृतिकसंपदा ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी अमूल्य विरासत भी हैं।उन्होंनेविकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुएविद्यार्थियों और युवाओं से जल संरक्षण, वनों की सुरक्षा, कचरा प्रबंधन, प्लास्टिकके उपयोग में कमी, स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली कोअपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान

हिमाचल



नहीं है, बल्कि अपने परिवार और समाज के भविष्य को सुरक्षितकरना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कठिनाइयों का सामना कर रहे अपने मित्रों का उपहास करने के बजाय उनका सहयोग करने तथा उन्हें उचित मार्गदर्शन और सहायता उपलब्ध करवाने का आह्वान किया।राज्यपालने विद्यार्थियों से सामाजिक बुराइयों से दूर रहने, जिम्मेदार नागरिक बनने तथा एक सशक्त, संवेदनशील, स्वच्छ और विकसित हिमाचल प्रदेश एवं भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।कविन्द्रगुप्ता ने रोटरी क्लब शिमला मिडटाउन को ‘मंथन’ के 25 वें संस्करण के सफल आयोजन के लिए बधाई दी और सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों के उज्ज्वल, स्वस्थ एवं सफल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रतियोगिताओं की विजेता टीमों को पुरस्कार भी प्रदान किए।इससेपूर्व, रोटरी क्लब शिमला मिडटाउन के अध्यक्ष रोटैरियन कवि खन्ना ने राज्यपाल का स्वागत किया और कार्यक्रम में पधारने के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।रोटरी कीजिला गवर्नर रोटैरियन रीता कालरा ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण के लिए रोटरी द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

स्थानीय त्यंजनों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए नवाचार , गुणवत्ता और नैतिकता जरूरी - उपायुक्त

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर आईचएम शिमला (कुफरी) में हिम ऑंचल शेफ एसोसिएशन की ओर से हिमाचल कुलिनरी एंड टूरिज्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त शिमला अरुणम कश्यप ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने फेस्टिवल में प्रदर्शित हिमाचल के पारंपरिक एवं स्थानीय व्यंजनों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा प्रतिभागियों से संवाद भी किया।



परंपरागत खान-पान हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत – उपायुक्त

उपायुक्त ने कहा कि जो लोग अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेजते और उत्सव के रूप में मनाते हैं, एक साथ बैठते हैं, लोकगीत गुनगुनाते हैं और पारंपरिक

स्थानीय व्यंजन तैयार करते हैं, वे वास्तव में अपनी

समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं।

उन्होंने कहा कि हिमाचल की महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। वे विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और पारंपरिक खान-पान की कला का प्रदर्शन कर रही हैं। अनेक महिलाओं ने पारंपरिक व्यंजनों और अपने हुनर को व्यवसाय के रूप में अपनाकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है, जो हिमाचल और देश के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने हिम ऑंचल शेफ एसोसिएशन के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन हिमाचल की संस्कृति, स्थानीय खान-पान और पारंपरिक व्यंजनों को नई पहचान देने के साथ-साथ युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा देते हैं।

सर्जिकल स्ट्राइक की 10वीं वर्षगांठ पर वीर जवानों को नमन, युवाओं से नशामुक्त और विकसित भारत के निर्माण में योगदान का आह्वान : जयराम ठाकुर

शिमला : पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शिमला के रामनगर, फागली वार्ड-12 में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक कार्यक्रम ‘मन की बात’ का 138वां एंपिसोड सुना। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ‘मन की बात’ केवल संवाद का कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत, भारतीयता और ‘वसुधैव कुटुंबकम्’ की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम के माध्यम से देश के सामान्य नागरिकों की असाधारण उपलब्धियों, नवाचारों और प्रेरक प्रयासों को राष्ट्रीय मंच दिया है, जिससे जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना को निरंतर बल मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में सर्जिकल स्ट्राइक की 1०वीं वर्षगांठ पर भारतीयों के वीर जवानों के पराक्रम को नमन किया और युवाओं, विशेषकर जेन–जी से नशे से दूर रहकर विकसित भारत के संकल्प में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने पोषण, स्वच्छता और डिजिटल आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर भी देशवासियों का ध्यान आकर्षित किया तथा गांधी जयंती के अवसर पर ‘स्वच्छता ही सेवा’ और ल्हाबरी सीजन में ‘वोकल फॉर लोकल’ को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

सतत विकास सुरक्षा और आधुनिक तकनीक से सड़क संरचना को सुदृढ़ कर रही प्रदेश सरकार

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह सुक्खू के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश की सड़क संरचना को सुदृढ़ करने के लिए व्यवस्थित एवं समग्र दृष्टिकोण से निरंतर प्रयासत है। सरकार द्वारा सड़कों में सुरक्षा, आधुनिक तकनीक, गुणवत्तापूर्ण रखरखाव तथा सड़क परिसंपत्तियों के संरक्षण पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य एक ऐसा सुदृढ़, सुरक्षित और विश्वसनीय सड़क नेटवर्क तैयार करना है, जो राज्य के दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र और चुनौतीपूर्ण मौसम की परिस्थितियों का प्रभावी ढंग से

सामना कर सके।

हिमाचल प्रदेश में सड़कें केवल आवागमन का साधन नहीं हैं, बल्कि ये गांवों और समुदायों को बाजारों, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा तथा अन्य आवश्यक सेवाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। साथ ही, सड़कों का कृषि, बागवानी, उद्योग और वानिकी क्षेत्रों के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान है। लगभग शून्य से शुरूआत करते हुए राज्य ने सड़क निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। 31 अगस्त, 2026 तक राज्य में 41,903 किलोमीटर मोटर योग्य सड़कें हैं, जो 15,608 गांवों को सड़क सुविधा प्रदान

कर रही हैं। पहाड़ी भू-भाग में फैले इतने व्यापक सड़क नेटवर्क की मजबूती, स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी अत्यंत आवश्यक है। प्रदेश सरकार ने सड़कों की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए फरवरी 2०26 में सड़क जल निकासी नीति स्वीकृत की है। पहाड़ी क्षेत्रों में पानी को सड़कों के क्षतिग्रस्त होने का एक प्रमुख कारण मानते हुए इस नीति में सड़क योजना एवं डिजाइन का अभिन्न हिस्सा जल निकासी व्यवस्था को बनाया गया है। वर्षा की तीव्रता और जलाश्रण क्षेत्र की विशेषताओं के आधार पर जल निकासी संरचनाओं की योजना बनाई जा रही है। इसके साथ ही भूखजलन और

पानी के रिसाव की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में निवारक उपायों का प्रावधान किया गया है। सड़क नालियों में अवरोध उत्पन्न करने या उनके दुरुपयोग के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई को भी मजबूत किया जा रहा है, जिससे बेहतर योजना, रखरखाव और सड़क परिसंपत्तियों के संरक्षण के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। नियोजित बुनियादी ढांचे के साथ सरकार का बल अंतिम छोर तक सड़क संपर्क उपलब्ध करवाने पर भी है। जीप योग्य एवं एंबुलेंस लिंक सड़कों के लिए दिशा-निर्देश अधिसूचित किए गए हैं ताकि इनके डिजाइन, निर्माण, प्रमाणन और रखरखाव में एकरूपता सुनिश्चित की जा सके।

ग्रामीण क्षेत्रों की मज़बूत आर्थिकी में ही प्रदेश का विकास निहित - डॉ. शांडिल

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अंधकारनिा तथा ग्रामीणों को किसान मेले की बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की मजबूत आर्थिकी में ही प्रदेश का विकास निहित है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को विकसित करने के लिए किसानों, बागवानों व पशुपालकों को विकसित करना आवश्यक है। इसी दृष्टिकोण से प्रदेश सरकार द्वारा किसानों, बागवानों व पशुपालकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरम्भ की गई हैं। इसका लाभ ग्रामीण क्षेत्रों को मिल रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के कुशल नेतृत्व में पशुपालकों को

किया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने ग्रामीणों को किसान मेले की बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की मजबूत आर्थिकी में ही प्रदेश का विकास निहित है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को विकसित करने के लिए किसानों, बागवानों व पशुपालकों को विकसित करना आवश्यक है। इसी दृष्टिकोण से प्रदेश सरकार द्वारा किसानों, बागवानों व पशुपालकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरम्भ की गई हैं। इसका लाभ ग्रामीण क्षेत्रों को मिल रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के कुशल नेतृत्व में पशुपालकों को

प्रसिद्ध पहलवान ‘द ग्रेट खली’ ने राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की



हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। ‘द ग्रेट खली’ के नाम से विख्यात पहलवान एवं डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर दलीप सिंह राणा ने आज लोक भवन में राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की।

राज्यपाल ने दलीप सिंह राणा को सम्मानित करते हुए हिमाचल प्रदेश से अंतरराष्ट्रीय कुश्ती के मंच तक उनकी उल्लेखनीय यात्रा की सराहना की। उन्होंने कहा कि श्री राणा की उपलब्धियों ने हिमाचल प्रदेश और भारत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई है तथा उनके संघर्ष और सफलता ने युवा पीढ़ी को दृढ़ संकल्प, अनुशासन और कड़ी मेहनत के साथ अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया है। इस दौरान राज्यपाल

और दलीप सिंह राणा ने हिमाचल प्रदेश

में खेल, युवा सशक्तिकरण और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। दलीप सिंह राणा ने पेशेवर कुश्ती के क्षेत्र में अपने अनुभवों और सफल को साझा करते हुए खेलों को बढ़ावा देने तथा युवा पीढ़ी को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे अपने प्रयासों पर भी चर्चा की। राज्यपाल ने युवाओं को विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए अधिक अवसर, उचित मार्गदर्शन और उपयुक्त मंच उपलब्ध करवाने की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल ने कहा कि राज्य के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह और प्रतिभा को देखते हुए हिमाचल प्रदेश में खेलों के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

गुरु अमर दास साहिब के ज्योति जोत दिवस के मौके पर कीर्तन और कवि दरबार का आयोजन

नाहन। सिरमौर जिले के ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री पोंटा साहिब में सिखों के तीसरे गुरु, गुरु अमर दास साहिब महाराज के ज्योति जोत दिवस (पुण्यतिथि) के मौके पर कीर्तन समगम और कवि दरबार जैसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। पोंवटा साहिब गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के मैनेजर गुप्तीत सिंह ने कहा, ‘तीसरे सिख गुरु, गुरु अमर दास महाराज के ज्योति जोत दिवस के उपलक्ष्य में ऐतिहासिक गुरुद्वारा पोंवटा साहिब में कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। देर रात एक विशेष कवि दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। धार्मिक कार्यक्रम की शुरुआत श्री अखंडपाठ साहिब के भोग के साथ हुई।’ गुरु अमर दास साहिब महाराज सिख धर्म के तीसरे गुरु थे, जिन्होंने समानता, सेवा और मानवत के प्रचार-प्रसार में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनका



जन्म 5 मई 1479 (वैशाख शुक्ल 14) को अमृतसर के ‘बासके’ (बसाके) गांव में हुआ था। उनका विवाह मंदा देवी से हुआ था। उनकी चार संतान (मोहरी, मोहन, दानी और भागी) थीं।

गुरु अमर दास साहिब को 19 मार्च 1552 को खंडूर साहिब में श्री गुरु अंगद देव द्वारा तीसरी गुरू गद्दी पर सुशोभित किया गया था। 22 वर्षों तक वे गुरु पद पर

रहे थे। उन्होंने ‘पहले पंगत फिर संगत’ के नियम को कड़ाई से लागू किया, जिसके तहत छोटे-बड़े सब एक साथ जमीन पर बैठकर लंगर छकते थे। इससे छुआछूत और ऊंच-नीच का भेद समाप्त हुआ। इसके अलावा उन्होंने सती प्रथा, पदों प्रथा का विरोध, विधवा विवाह की इजाजत और आनंद साहिब की बाणी जैसे बड़े सुधार भी किए।

पूर्व सैनिकों और रक्षा कर्मियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध: मुख्यमंत्री

सशस्त्र सेना में सेवा की हिमाचल प्रदेश की गौरवशाली परंपरा

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। राज्य सरकार ने पूर्व सैनिकों, युद्ध विधवाओं, रक्षा कर्मियों के आश्रितों, वीरता पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं तथा सशस्त्र सेनाओं में सेवातर जवानों के कल्याण को उच्च प्राथमिकता प्रदान की है। सैनिक कल्याण विभाग द्वारा पूर्व सैनिकों एवं रक्षा कर्मियों तथा उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा, पुनर्वास सहायता और अन्य आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए विभिन्न वित्तीय सहायता योजनाएं एवं कल्याणकारी गतिविधियां प्रभावी रूप से लागू किए जा रहे हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान

अतिरिक्त, 154 वार-जागीर लाभार्थियों को 20.83 लाख रुपये तथा पुणे और मोहाली स्थित पैराप्योजिक पुनर्वास केंद्रों को 6 लाख रुपये की सहायता राशि जारी

की गई। तत्काल सहायता के रूप में सेवा के दौरान सशस्त्र सेनाओं के किसी जवान की मृत्यु होने पर उसके निकटतम परिवजन को 75,000 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, सैनिक

कल्याण भवनों के रखरखाव के लिए 6.74 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इन उपायों का उद्देश्य संकट की घड़ी में रक्षा कर्मियों और उनके परिवारों को तैयारी कर रहे युवाओं को प्रशिक्षण एवं करवाना है।

शिक्षा मंत्री 28 को नेरवा स्कूल, 30 सितंबर को तकलेच स्कूल में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में होंगे मुख्यातिथि

हिन्द जनपथ शिमला (ब्यूरो)। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर 28 सितंबर, 2026 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नेरवा में आयोजित जिला स्तरीय अंडर-19 (छात्र) टूर्नामेंट के समानान्त समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिक्षा मंत्री 28 सितंबर को प्रातः 11:00 बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नेरवा पहुंचेंगे। इस दौरान वह जिला स्तरीय अंडर-19 छात्र टूर्नामेंट के समान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर वह खिलाड़ियों को संबोधित करेंगे तथा खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित करेंगे। इसके उपरांत वह स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे तथा जनसमस्याएं सुनेंगे। इसी प्रकार, शिक्षा मंत्री 30 सितंबर को प्रातः 11:00 बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तकलेच में आयोजित जिला स्तरीय अंडर-14 (छात्र) टूर्नामेंट के समान समारोह में भी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

- इस अवसर पर वह खिलाड़ियों को संबोधित करेंगे तथा खेलप्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित करेंगे।**

सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। गाय व भैंस के दूध के न्यूनतम समर्थन मूल्य में आशातीत वृद्धि की गई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्राकृतिक कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान कर रही है। प्राकृतिक खेती के उत्पादों का अलग से वर्गीकरण करने की योजना है ताकि किसान प्राकृतिक खेती अपनाकर सभी के बेहतर स्वास्थ्य के लएुआ बन सके। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती का माध्यम से उगाई गई मक्की के लिए 50 रुपए, गेहूं 80 रुपए प्रति किलोग्राम तथा हल्दी के लिए 150 रुपए न्यूनतम मूल्य निर्धारित किया गया है।

संपादकीय

निजी जिंदगी में दखल, समाज किसदिशा में जा रहा है?

एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में अगर दो लोग दूसरों के जीवन को बाधित किए बिना अपनी जिंदगी खुद तय करते हैं, तो इससे किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। अदालतों ने समय-समय पर यह व्यवस्था दी है कि कोई भी वयस्क किसी से दोस्ती करने का अधिकार रखता है। एक सभ्य समाज अपने बीच उदारता और करुणा से लैस जीवन-मूल्यों की कद्र करता है और अपनी सोच-समझ के बरक्स अन्य लोगों या समुदायों की जीवन-पद्धतियों, जीने के तरीकों का भी सम्मान करता है। मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि आज इक्कीसवीं सदी का सफर तय करते हमारे देश में आए दिन ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें किसी के निजी विचार या उसकी पसंद को न केवल नियंत्रित करने की कोशिश की जाती है, बल्कि ऐसा करने के लिए हिंसा या अपराध का भी सहारा लिया जाता है।हाल ही में बिहार के जमुई के अलावा बांका और समस्तीपुर में लगातार ऐसी घटनाओं के वीडियो प्रचारित हुए, जिनमें कुछ आपराधिक मानसिकता वाले लोगों ने रास्ते में लड़कियों के खिलाफ यौन हिंसा की या उनके दोस्त को भी मारा-पीटा। ऐसे मामले सामने आने के बाद पुलिस ने कानून के मुताबिक कदम उठाए, लेकिन इस दौरान एक बार फिर यह सवाल उठा कि महज नैतिकता के नाम पर लड़कियों या उनके दोस्त को प्रताड़ित करने का अधिकार किसी को किसने दे दिया।एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में अगर दो लोग दूसरों के जीवन को बाधित किए बिना अपनी जिंदगी खुद तय करते हैं, तो इससे किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। खासतौर पर दो युवा जब दोस्ती करते हैं, मिलते-जुलते हैं या फिर आगे चलकर प्रेम और विवाह करते हैं, तो यह उनका अपना चुनाव है और इसमें किसी भी अन्य को दखल देने का अधिकार नहीं है।इस संबंध में अदालतों ने भी समय-समय पर यह व्यवस्था दी है कि कोई भी वयस्क किसी से दोस्ती करने का अधिकार रखता है। मगर कुछ असामाजिक तत्त्व न तो अपने विचारों में सभ्यता और परिपक्वता लाते के लिए तैयार होते हैं और न ही इस संबंध में कानूनी तकाजों का खयाल रखना जरूरी समझते हैं। देश भर से ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें अराजक समूहों ने कहीं पार्क या रेस्तरां में जबरन घुसकर लड़के-लड़कियों या प्रेमी युगलों के खिलाफ अपमानजनक और हिंसक व्यवहार किया।हैरानी की बात यह है कि एक ओर समाज अपनी रोजमर्रा की जीवनशैली में सभी आधुनिक सुविधाओं का उपभोग करना चाहता है, लेकिन सोच-समझ और पूर्वाग्रहों के मामले में उन्हीं प्रतिगामी मूल्यों को ढोता है, जो कई बार अमानवीय और आपराधिक भी होते हैं।

महिलाओं की सेहत के लिए देशभर में हों खास इंतजाम

(अभिषेक पाण्डेय)

भारत में बड़ी संख्या में महिलाएं मेनोपॉज से गुजर रही हैं, लेकिन इससे जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं और जागरूकता पर अभी पर्याप्त ध्यान नहीं है। इस दौरान शारीरिक के साथ मानसिक समस्याएं भी हो सकती हैं। डॉ. अंजू अग्रवाल कर्नाटक ने हाल में रितु थारे नाम से एक योजना शुरू की। इसके तहत आशा वर्कर्स घर-घर जाकर महिलाओं को प्री-मेनोपॉज और पोस्ट-मेनोपॉज के बारे में जागरूक कर रही हैं। साथ में उन्हें स्वास्थ्य सहायता दी जा रही है। इस तरह की योजना असल में पूरे देश में चाहिए। मेनोपॉज महिलाओं के जीवन में आने वाला एक सामान्य बदलाव है, लेकिन इसे सिर्फ पीरियड्स बंद होने या प्रजनन क्षमता खत्म होने से जोड़कर देखना सही नहीं।

जीवन पर असर -इस दौर में शरीर और मन में कई तरह के बदलाव हो सकते हैं। अचानक गर्मी लगना या पसीना आना, नींद खराब होना, थकान, चिड़चिड़ापन, चिंता, ध्यान लगाने या चीजें याद रखने में परेशानी और मांसपेशियों व हड्डियों में दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनका असर रोजमर्रा की जिंदगी, काम और रिश्तों पर भी पड़ सकता है। महिलाएं अब पहले से ज्यादा लंबी उम्र जी रही हैं। ऐसे में जीवन का एक बड़ा हिस्सा मेनोपॉज के बाद गुजरता है। इसलिए इसे अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने और आगे होने वाली बीमारियों से बचाव की तैयारी के महत्वपूर्ण समय के रूप में देखना चाहिए।

बड़ी तादाद - नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के आंकड़ों के अनुसार, 30 से 49 वर्ष की करीब



14.7 प्रतिशत विवाहित महिलाएं मेनोपॉज की अवस्था में थीं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह अनुपात शहरों की तुलना में अधिक था। इन आंकड़ों से जाहिर है कि बड़ी संख्या में महिलाओं को मेनोपॉज से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत है।

नियमित जांच - इस उम्र में ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग, हड्डियों की कमजोरी और मानसिक स्वास्थ्य जैसी समस्याओं की नियमित जांच जरूरी है। समय पर इनका पता चलने से गंभीर बीमारियों और इलाज के खर्च को कम किया जा सकता है। इससे महिलाओं की सेहत और जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। 2026 की इंडियन मेनोपॉज सोसाइटी की गाइडलाइन में भी कहा गया है कि यह समय स्वास्थ्य की जांच और बीमारियों से बचाव के लिए महत्वपूर्ण है।

यह परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के औद्योगिक ढांचे का कार्याकल्प होगा। सरकार की इस राह का पहला पड़ाव वर्ष 2031-32 है, जब मौजूदा परियोजनाओं के तहत क्षमता लगभग 22 गीगावाट पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके बाद परमाणु ऊर्जा निगम, यानी एनपीसीआइएल 2047 तक लगभग 54 गीगावाट तक पहुंचने के लिए 32 गीगावाट नई क्षमता जोड़ने की योजना बना रहा है। शेष करीब 46 गीगावाट केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक उपक्रमों, निजी क्षेत्र और संयुक्त उपक्रमों से पैदा किए जाने की परिकल्पना है। यानी लक्ष्य का आकार जितना बड़ा है, उतना ही बड़ा सहयोग का दायरा भी चाहिए। ऊर्जा के क्षेत्र में देश की उपलब्धियां इस यात्रा को आधार देती हैं। स्वदेशी 700 मेगावाट के ‘प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर’ देश की तकनीकी क्षमता का प्रमाण हैं।

छोटे माइयूलर रिएक्टर को लेकर भी उत्साह और यथार्थ के बीच संतुलन जरूरी है। छोटे रिएक्टर पुराने ताप विद्युत संयंत्रों की जगह ऊर्जा-गहन उद्योगों या दूरदराज के क्षेत्रों में उपयोगी हो सकते हैं।ऊर्जा के क्षेत्र में विकास का अर्थ सिर्फ यह नहीं है कि किसी देश के पास कितनी ऊर्जा उपलब्ध है, बल्कि यह भी है कि ऊर्जा कितनी भरोसेमंद, स्वच्छ और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप है। वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के सपने के बीच परमाणु ऊर्जा की क्षमता को मौजूदा 8.78 गीगावाट से बढ़ाकर सौ गीगावाट करने का लक्ष्य ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, उन्नत विनिर्माण और विद्युत परिवहन जैसे क्षेत्रों का तेजी से विस्तार हो रहा है। इन्हें अधिक एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति की जरूरत है। सौर और पवन ऊर्जा को भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा का बड़ा स्रोत बनाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इनकी प्रकृति में मौजूद अस्थिरता के बीच परमाणु ऊर्जा चौबीसों घंटे उपलब्ध कम-कार्बन बिजली का आधार बन सकती है। मगर इस लक्ष्य को पाने में चुनौतियां भी कम नहीं हैं।फरवरी 2026 में सरकार ने जानकारी दी कि देश में 24 परमाणु बिजली संयंत्र 8.78 गीगावाट की कुल क्षमता के साथ वाणिज्यिक संचालन में हैं। वर्ष 2024-25 में कुल बिजली उत्पादन में परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी लगभग 3.1 फीसद रही। ऐसे में वर्ष 2047 तक सौ गीगावाट पर पहुंचने का अर्थ है वर्तमान क्षमता का करीब बारह गुना विस्तार।

यह परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के औद्योगिक ढांचे का कार्याकल्प होगा। सरकार की इस राह का पहला पड़ाव वर्ष 2031-32 है, जब मौजूदा परियोजनाओं के तहत क्षमता लगभग 22 गीगावाट पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके बाद परमाणु ऊर्जा निगम, यानी एनपीसीआइएल 2047 तक लगभग 54 गीगावाट तक पहुंचने के लिए 32 गीगावाट नई क्षमता जोड़ने की योजना बना रहा है। शेष करीब 46 गीगावाट केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक उपक्रमों, निजी क्षेत्र और संयुक्त उपक्रमों से पैदा किए जाने की परिकल्पना है। यानी लक्ष्य का आकार जितना बड़ा है, उतना ही बड़ा सहयोग का दायरा भी चाहिए।

ऊर्जा के क्षेत्र में देश की उपलब्धियां इस यात्रा को आधार देती हैं। स्वदेशी 700 मेगावाट के ‘प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्र’ देश की तकनीकी क्षमता का प्रमाण हैं।

विचार/मंथन

यह परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के औद्योगिक ढांचे का कार्याकल्प होगा। सरकार की इस राह का पहला पड़ाव वर्ष 2031-32 है, जब मौजूदा परियोजनाओं के तहत क्षमता लगभग 22 गीगावाट पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके बाद परमाणु ऊर्जा निगम, यानी एनपीसीआइएल 2047 तक लगभग 54 गीगावाट तक पहुंचने के लिए 32 गीगावाट नई क्षमता जोड़ने की योजना बना रहा है। शेष करीब 46 गीगावाट केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक उपक्रमों, निजी क्षेत्र और संयुक्त उपक्रमों से पैदा किए जाने की परिकल्पना है। यानी लक्ष्य का आकार जितना बड़ा है, उतना ही बड़ा सहयोग का दायरा भी चाहिए। ऊर्जा के क्षेत्र में देश की उपलब्धियां इस यात्रा को आधार देती हैं। स्वदेशी 700 मेगावाट के ‘प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर’ देश की तकनीकी क्षमता का प्रमाण हैं।

2047 तक 100 जीडब्ल्यू परमाणु ऊर्जा का लक्ष्य- भारत की ऊर्जा सुरक्षा और विकसित राष्ट्र की राह



‘फास्ट ब्रीडर’ कार्यक्रम आगे बढ़ रहा है और कलपक्कम के 500 मेगावाट ‘प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर’ ने बीते अप्रैल में काम करना शुरू किया है।

इसके अलावा छोटे माइयूलर रिएक्टर (एसएमआर) के स्वदेशी डिजाइन पर भी काम चल रहा है। कम से कम ऐसे पांच रिएक्टर को वर्ष 2033 तक विकसित और परिचालित करने का लक्ष्य है। इन उपलब्धियों से पता चलता है कि चुनौती केवल तकनीक खोजने की नहीं, बल्कि उसे बड़े पैमाने पर संचालित करने की भी है।

यही सवाल सबसे बड़ा है कि क्या भारत रिएक्टरों को समय पर और तय लागत में बना सकता है। परमाणु संयंत्रों में शुरूआती पूंजी बहुत बड़ी होती है और निर्माण लंबा चलता है। एक परियोजना में देरी केवल समय नहीं बढ़ाती, उसकी आर्थिक लागत भी बढ़ाती है। इसलिए मानकीकृत डिजाइन, घरेलू विनिर्माण, मजबूत आपूर्ति श्रृंखला, प्रशिक्षित मानव संसाधन और कुशल परियोजना प्रबंधन अनिवार्य होंगे।

इस संदर्भ में वर्ष 2025 का एसएचएणएनटीआइ कानून

यह परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के औद्योगिक ढांचे का कार्याकल्प होगा। सरकार की इस राह का पहला पड़ाव वर्ष 2031-32 है, जब मौजूदा परियोजनाओं के तहत क्षमता लगभग 22 गीगावाट पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके बाद परमाणु ऊर्जा निगम, यानी एनपीसीआइएल 2047 तक लगभग 54 गीगावाट तक पहुंचने के लिए 32 गीगावाट नई क्षमता जोड़ने की योजना बना रहा है। शेष करीब 46 गीगावाट केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक उपक्रमों, निजी क्षेत्र और संयुक्त उपक्रमों से पैदा किए जाने की परिकल्पना है। यानी लक्ष्य का आकार जितना बड़ा है, उतना ही बड़ा सहयोग का दायरा भी चाहिए। ऊर्जा के क्षेत्र में देश की उपलब्धियां इस यात्रा को आधार देती हैं। स्वदेशी 700 मेगावाट के ‘प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर’ देश की तकनीकी क्षमता का प्रमाण हैं।

2047 तक 100 जीडब्ल्यू परमाणु ऊर्जा का लक्ष्य- भारत की ऊर्जा सुरक्षा और विकसित राष्ट्र की राह



महत्वपूर्ण मोड़ है। इसने लाइसेंस के अधीन निजी क्षेत्र को परमाणु प्रतिष्ठान और परमाणु ऊर्जा से संबंधित गतिविधियों में भागीदारी का रास्ता साफ कर दिया है। इससे पूंजी, तकनीक, विनिर्माण और परियोजना प्रबंधन के नए स्रोत खुल सकते हैं। मगर कानून अपने आप में निवेश की गारंटी नहीं है। निजी निवेश तभी आएगा, जब दायित्व, लाइसेंस, नियमन, सुरक्षा और परियोजना से जुड़ी आर्थिक जरूरतों को लेकर नियम स्पष्ट, स्थिर एवं पूर्वानुमेय हों। निजी भागीदारी का अर्थ सुरक्षा मानकों को ढीला करना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और जवाबदेही को और स्पष्ट करना है।

परमाणु ऊर्जा का दूसरा बड़ा प्रश्न जनता का विश्वास है। कुंडनकुलम और जैतापुर के अनुभवों ने दिखाया है कि स्थानीय असहमति को केवल विकास-विरोधी मानसिकता कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। सुरक्षा, पर्यावरण, आपदा-प्रबंधन, मुआवजा, पुनर्वास और स्थानीय रोजगार जैसी चिंताएं वास्तविक हैं।

इसलिए परमाणु परियोजनाओं की सफलता केवल

रिएक्टर की तकनीक से तय नहीं होगी, वह उस सामाजिक अनुबंध से भी तय होगी, जो परियोजना और प्रभावित समुदाय के बीच बनता है। पारदर्शी सूचना, समयबद्ध मुआवजा और स्थानीय आर्थिक अवसर भरोसा पैदा कर सकते हैं। सुरक्षा इस पूरे विस्तार की केंद्रीय शर्त होनी चाहिए। तेज निर्माण का मतलब सुरक्षा जांच में कटौती नहीं हो सकता, बल्कि लक्ष्य यह होना चाहिए कि नियामकीय प्रक्रियाएं अधिक स्पष्ट और समयबद्ध हों, विभिन्न संस्थाओं के बीच समन्वय बेहतर हो और निर्णय में अनावश्यक प्रशासनिक विलंब न हो। छोटे माइयूलर रिएक्टर को लेकर भी उत्साह और यथार्थ के बीच संतुलन जरूरी है। छोटे रिएक्टर पुराने ताप विद्युत संयंत्रों की जगह ऊर्जा-गहन उद्योगों या दूरदराज के क्षेत्रों में उपयोगी हो सकते हैं। मगर उनकी आर्थिक व्यवहार्यता, सुरक्षा और बड़े पैमाने पर तैनाती का अनुभव अभी विकसित होना है। इसलिए उन्हें चमत्कारी समाधान मानने के बजाय परमाणु ऊर्जा के व्यापक कार्यक्रम का एक संभावित हिस्सा समझना बेहतर होगा।

भारत को परमाणु और नवीकरणीय ऊर्जा के बीच चुनाव करने की जरूरत भी नहीं है। भविष्य का ऊर्जा तंत्र सौर, पवन, जलविद्युत, भंडारण, मजबूत ग्रिड और परमाणु ऊर्जा के संतुलित मेल से बनेगा। जहां नवीकरणीय ऊर्जा लागत और विस्तार की दृष्टि से अवसर देती है, वहीं परमाणु ऊर्जा स्थिरता और दीर्घकालिक कम-कार्बन आपूर्ति का भरोसा दे सकती है। दोनों के बीच संतुलन ही ऊर्जा संक्रमण को अधिक टिकाऊ बना सकता है। इस यात्रा में ईंधन सुरक्षा और ज्ञान-संपदा को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। रिएक्टरों की संख्या बढ़ेगी, तो ईंधन, भारी उपकरण, परमाणु-ग्रेड सामग्री, रखरखाव और विशेषज्ञ सेवाओं की मांग भी बढ़ेगी। इसलिए आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल रिएक्टर बनाना नहीं, पूरे जीवन-चक्र की क्षमता तैयार करना है।

इस यात्रा में ईंधन सुरक्षा और ज्ञान-संपदा को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। रिएक्टरों की संख्या बढ़ेगी, तो ईंधन, भारी उपकरण, परमाणु-ग्रेड सामग्री, रखरखाव और विशेषज्ञ सेवाओं की मांग भी बढ़ेगी। इसलिए आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल रिएक्टर बनाना नहीं, पूरे जीवन-चक्र की क्षमता तैयार करना है।

वर्ग पहेली 6226

1	2	3	4	5	6		
7				8			
9			10	11		12	
		13				14	
15	16					17	
			18		19		
20		21		22		23	
24				25			

संकेत:
बाएँ से दायें
1. 1877 को पैदा हुए थे ये मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री (7)
7. जलपथी, जलाशयों के समीप रहने वाले पक्षी (4)
8. निशान, चिन्ह, परीक्षा में प्राप्त अंक (2)
9. निर्गीत, ठहराया या निश्चित किया हुआ (2)
10. र वर्ण बोधक अक्षर (3)
14. एक प्रकार का संत जिसे पृथ्वी रूपी गौ से गंधर्वों ने दुग्धा था (2)
15. परिचर्या, ह्रिदमत्त, सेवा-सुश्रुषा (3)
17. गीत प्रस्तुत करने की क्रिया, गायन (2)
18. यह क्षेत्र कोयल खनन के लिए प्रसिद्ध है (4)
20. ताम्रशा देखने वाला व्यक्ति (4)
22. डाला जाना, छोड़ा जाना (3)
24. जो रिश्ते में पति की बहन हो (3)
25. अशुचित, पवित्र, पुनीत (2)

ऊपर से नीचे
1. चलचित्र दिखाने का पद (5)
2. घुलना, विलय होना, समा जाना (3)
3. समुद्र में उत्पन्न एक जंतु का खोल, समुद्री घों जिससे हिंदू धर्म के लोग पवित्र मानते है (2)
4. किनारे पर, समीप, मेड़, कारनिस (3)
5. संख्या, हिसाब, लेखा, गिनती (3)
6. लिपिक, हिसाब-किताब एवं पत्राचार करने

वाला कर्मचारी, बाबू (2)
11. जयशंकर प्रसाद का प्रसिद्ध प्रबंध काव्य (4)
12. तपस्या, तप, पुरानी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री (3)
13. एक प्राचीन शस्त्र, कंटका, विकट पीड़ा (2)
14. प्रकाश झा निर्देशित बनी अजय देवगन द्वारा अभिनीत एक प्रसिद्ध सफल फिल्म (4)
16. पवनपुत्र, कैसरी नेटन (4)
18. यह बुंदेलखंड का प्रसिद्ध लोकनृत्य है, एक प्रकार की छोटी सरसों (2)
19. नेपाल और बिहार में बहने वाली एक नदी (3)
20. शरीर, देह, काया (2)
21. हर्षित, लक्ष्य, प्रश्न (2)
23. संबंध से, हेतु, वास्ते (2)

श्री	लं	का		स	र	ह	द
म	नू	मा	इ	ड			
ली	ज	न	वा	ई	स	पा	
	ल	व			मा	न	व
जो	द	ना		स	ही		र
दा		ना	दा	न		म	हा
व			जी	भा		उ	
री	ड	र		दे	व	दा	स

तुला

आज आपको व्यवहार

कुशलता का फायदा मिलेगा। दिन आर्थिक रूप से अच्छा है। आप वित्तीय योजनाओं का लाभ ले पाएंगे। वाणी और व्यवहार कुशलता का भी आपको फायदा मिलेगा। दोस्तों और सगे संबंधियों में आपका प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम संबंध में प्रगाढ़ता बनी रहेगी। संतान की ओर से प्रसन्नता मिलेगी।

धनु

आज मन उलझन में रह

सकती है। दिन मिलाजुला रहेगा। दिन के आरंभ में थोड़ी सुस्ती और सिरदर्द की समस्या हो सकती है लेकिन धीरे-धीरे सेहत में सुधार महसूस करेंगे। पारिवारिक जीवन में आपको जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा लेकिन कुछ नई जिम्मेदारियों के अचानक आने से मन उलझन में रह सकता है।

कुंभ

आज कोई बड़ी चाहत पूरी हो सकती है। दिन सामान्य रूप से अच्छा रहेगा। काम की व्यस्त रह सकती है लेकिन सोचा हुआ काम पूरा होने से आपको मानसिक सुंछिष्ट मिलेगी। आर्थिक मामलों में दिन सामान्य रूप से अच्छा है। किराना और होटल से संबंधित काम में आपकी कमाई बढ़ेगी।

वृश्चिक

आज आपको रुचिकर

काम करने का मौका मिलेगा दिन शुभ लाभदायक रहेगा। आप दिन के आरंभ से ही अपने पैंडिंग काम को पूरा करने का प्रयास करेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता में आपका पदर्शन बेहतर होगा। वाहन और घर के उपकरणों पर आपको धन खर्च करना पड़ सकता है।

मकर

आज ससुराल पक्ष से

लाभ पाएंगे। आज का दिन का संयोग लाभदायक है। आपको ऊर्जा और काम करने का जोश मिल रहा है। आप अपने सभी अटके काम को पूरा करने का प्रयास करें जीवनसाथी और परिवार का भी आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा। किसी धार्मिक अथवा सामाजिक काम में भाग लेने का मौका मिल सकता है।

मीन

आज भावुकता पर कंट्रोल करना होगा। दिन कुल मिलाकर सामान्य कहा जा सकता है। आप परिवार और अपनों के साथ सुखद समय बिताने का प्रयास करेंगे। कुछ अधूरे काम जो काफी समय से अधूरे हैं उनको पूरा करने पर आपका फोकस रहेगा। आपके लिए जरूरी है कि दबे मुद्दों को जगाने की कोशिश न करें।

3 दिन की हड़ताल के दौरान नहीं लगेगा कोई एटीएम चार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। आगामी 28 सितंबर से शुरु होने वाली बैंक कर्मचारियों की तीन दिवसीय देशव्यापी हड़ताल को देखते हुए देश के बैंकिंग क्षेत्र ने आम जनता को बड़ी राहत दी है. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ोदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक सहित सभी प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने एक बड़ा फैसला लिया है. इन बैंकों ने 28 से 30 सितंबर 2026 तक सभी एटीएम ट्रांजैक्शन फीस को पूरी तरह से माफ करने का एलान किया है. इस फैसले के बाद ग्राहक तय मासिक मुफ्त सीमा समाप्त होने के बाद भी देश के किसी भी बैंक के एटीएम से बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के कैश निकाल सकेगे. बैंक ऑफ बड़ोदा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर इसकी पुष्टि करते हुए लिखा, ‘आपकी सुविधा हमारी प्राथमिकता है. 28 से 30 सितंबर तक पूरे भारत में किसी भी बैंक के एटीएम पर ट्रांजैक्शन चार्ज माफ कर दिए गए हैं.’ यह प्रस्तावित हड़ताल सोमवार (28 सितंबर) से शुरु हो रही है, जो टीक वीकेंड (26 और 27 सितंबर) के बाद आती है. यदि सरकार और रिजर्व बैंक समय पर कदम नहीं उठाते, तो देश में लगातार 5 दिनों तक बैंकिंग कामकाज पूरी तरह ठप हो जाता. इसका देश के व्यापार, वेतन भुगतान और अर्थव्यवस्था पर बेहद बुरा असर पड़ सकता था. इसी संकट से निपटने और आर्थिक गतिविधियों को सुचारु रखने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्रालय और आरबीआई ने एक निर्देश जारी किया है. इसके तहत, कल रविवार को देश के सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक आम दिनों की तरह पूरी तरह खुले रहेंगे. आरबीआई ने सभी बैंक शाखाओं, प्रशासनिक कार्यालयों और कर्सी चेस्ट को रविवार को भी सामान्य रूप से संचालित करने की विशेष मंजूरी दी है, ताकि लोग हड़ताल से पहले अपने जरूरी काम निपटा सकें. सभी प्रमुख बैंकों ने स्पष्ट किया है कि हड़ताल का असर केवल भौतिक बैंक शाखाओं के कामकाज पर पड़ सकता है. आम जनता के लिए डिजिटल लेनदेन के सभी रास्ते खुले रहेंगे. यह देशव्यापी हड़ताल ‘यूनाइटेड फोनम ऑफ बैंक यूनियंस’ के आह्वान पर बुलाई गई है, जो बैंकिंग कार्यबल के लगभग 90 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है. बैंक कर्मचारी संगठनों की मुख्य मांगों में हफ्ते में केवल 5 दिन काम की व्यवस्था लागू करना, पेंशन में सुधार, सभी पेंशनभोगियों के लिए समान महंगाई भत्ता फॉर्मूला और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना चुनने का विकल्प देना शामिल है. चूंकि यह हड़ताल छमाही क्लोजिंग के समय हो रही है, इसलिए इसका असर गहरा सकता है.

एनटीपीसी और ईडीएफ ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए किया समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी और ईडीएफ पावर सॉल्यूशंस इंडिया ने भारत में पंड स्टोरेज, जलविद्युत और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास, स्वाभिमत् तथा संचालन के लिए साझेदारी की है। एनटीपीसी ने एक बयान में कहा कि दोनों कंपनियों के बीच 50 :50 का एक संयुक्त उद्यम (जैवी) बनाया गया है। यह संयुक्त उद्यम भारत और पड़ोसी देशों में परियोजनाओं पर काम करेगा। समझौते पर 25 सितंबर को एनटीपीसी के चेयरमैन गुरदीप सिंह और ईडीएफ एएस के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बर्नार्ड फोटना की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत एनटीपीसी और फ्रांस की बिजली कंपनी ईडीएफ की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी इकाई ईडीएफ पावर सॉल्यूशंस मिलकर कम कार्बन उत्सर्जन वाले बिजली संयंत्रों के विकास, निर्माण और संचालन के साथ-साथ ग्रिड स्थिरता बढ़ाने वाले समाधानों तथा पारेषण परिसंपत्तियों पर काम करेंगी। एनटीपीसी ने कहा कि यह साझेदारी भारत के 2036 तक पंड स्टोरेज (भंडारण) परियोजनाओं की 100 गीगावाट स्थापित क्षमता के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप है।

अमेजन, फिलपार्ट पर 10-10 लाख वजियोमार्ट पर पांच लाख का जुर्माना, सीसीपीए ने की कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने अमेजन व फिलपार्ट पर 10-10 लाख रुपये व जियोमार्ट पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। तीनों ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर साइक्लोसिनोन हर्बिसाइड नामक बिना पंजीयन वाले कृषि-रसायन उत्पाद को बेचने और उसका विज्ञापन करने का आरोप है। 22 सितंबर के एक अलग आदेश में उपभोक्ता संरक्षण नियामक ने तीनों ई-कॉमर्स कंपनियों को उस उत्पाद की बिक्री और विज्ञापन तुरंत रोकने का निर्देश दिया है जिसे उसके एक्टिव इंग्रीडिएंट के रसायन नाम या उसके कंपोजिशन का खुलासा किए बिना बेचा जा रहा था। सीसीपीए ने इन प्लेटफॉर्म्स को ऐसे उत्पाद की लिस्टिंग रोकने के लिए सेल्फ-ऑडिट करने का भी निर्देश दिया जो मौजूदा कानूनों का उल्लंघन करते हैं या उपभोक्ता की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। नियामक ने तीन प्लेटफॉर्म से 15 दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट जमा करने को कहा है।



दरअसल, सीसीपीए को केंद्रीय कृषि मंत्रालय से मिली एक शिकायत के बाद यह जांच शुरू हुई। इसे मूल रूप से क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीसीएफआई) ने दर्ज कराया था। जांच के दौरान कृषि मंत्रालय ने सीसीपीए को बताया कि साइक्लोसिनोन नाम का कोई भी रसायन

कीटनाशक अधिनियम-1968 की अनुसूची में शामिल नहीं है। इसका मतलब है कि इस उत्पाद की बिक्री और मार्केटिंग में कानून के तहत जरूरी सुरक्षा, बायो-एफिकेसी, गुणवत्ता और कानूनी जांच को नजरअंदाज किया गया। सीसीपीए ने पाया कि मार्केटप्लेस ने उत्पाद की लिस्टिंग को लाइव करने से पहले उसके रेगुलेटरी स्टेटस की पर्याप्त स्वतंत्र जांच नहीं की थी पोस्ट में

जीएसटी को लेकर सवाल उत्पन्न हैं। उन्होंने लिखा कि मुझे खुशी है कि बीसीसीआई को टेक्स में राहत मिलती है। वह प्रोत्साहन का हकदार है। लेकिन शोध प्रयोगशालाओं को आवश्यक उपकरणों और सॉफ्टवेयर पर क्यों टेक्स चुकाना पड़ता है? अनुसंधान

और विकास को भी जीएसटी से मुक्त कर भारत के भविष्य के निर्माण में मदद की जाए। टाटा कार्स ने एरिस कॉम्पैक्ट सेडान लॉन्च की है। इसे विशेष रूप से व्यक्तिगत कार खरीदारों के लिए तैयार किया गया है। इसकी शुरुआती कीमत 5.29 लाख रुपये है। यह सेडान पेट्रोल और आईसीएनजी विकल्पों में उपलब्ध होगी। ग्राहकों को इसमें एएमटी सुविधा भी मिलेगी। एरिस सभी डीलरशिप पर उपलब्ध है। पेट्रोल मॉडल की शुरुआती कीमत 5.29 लाख रुपये और आईसीएनजी मॉडल की 6.29 लाख रुपये है। इसकी बुकिंग शुरू हो गई है और डिलीवरी 11 अक्टूबर से शुरू होगी। शैलेश चंद्रा, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने कहा, एरिस हमारे ग्राहकों की प्रगति और व्यक्तित्व का प्रतीक है। इसे विशेष रूप से व्यक्तिगत स्वामित्व के लिए तैयार किया गया है। एरिस में एलईडी हेडलैंप, डीआरएल और अलॉय व्हील्स दिए गए हैं।

अर्थ/बाजार

आम लोगों को इटका, त्योहारी सीजन से पहले एसी-टीवी सहित इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के दाम बढ़ेंगे



तीन से चार प्रतिशत बढ़ाने जा रही हैं। हालांकि, कुछ कंपनियां अभी स्थिति का आकलन कर रही हैं। कई कंपनियों का मानना ​​है कि कीमत बढ़ाने से मांग पर असर पड़ सकता है। वहीं कुछ अन्य की राय है कि कीमत वृद्धि का असर सीमित रहेगा, क्योंकि डीलर और वितरकों के पास पहले ही पुराने दाम का स्टॉक है।

ब्लू स्टार, गोदरेज अप्लायंसेज, हायर, डइकिन और सुपर

प्लास्ट्रॉनिक्स समेत कई कंपनियां विभिन्न श्रेणियों में कीमतें बढ़ाने की घोषणा कर चुकी हैं। एलजी और बोश होम कम्फर्ट, जो हिताची ब्रांड के एयर कंडीशनर का कारोबार करती है, ने भी एसी की कीमतों में करीब पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। पैनासोनिक अभी कीमत बढ़ाने को लेकर स्थिति का आकलन कर रही है।

महिंद्रा फिर बढ़ा सकती है एसयूवी के दाम, अगले दो हफ्ते में होगा अंतिम फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। महिंद्रा एंड महिंद्रा बढ़ती लागत के कारण अपने एसयूवी पोर्टफोलियो की कीमतें फिर बढ़ा सकती है, जिसका फैसला अगले दो सप्ताह में होगा। इसके बावजूद कंपनी को त्योहारी सीजन में मजबूत मांग बने रहने की उम्मीद है। इसके अलावा, महिंद्रा इलेक्ट्रिक वाहनों पर जोर देते हुए अपनी कुल मासिक उत्पादन क्षमता 84,000 वाहन तक पहुंचाएगी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा अपने स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) पोर्टफोलियो की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी कर सकती है। कंपनी जिस कीमतों में हालिया वृद्धि को देखते हुए अगले दो सप्ताह में इस संबंध में फैसला ले सकती है। महिंद्रा समूह के वाहन प्रभाग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नलिनीकांत गोल्लागुंटा ने पीटीआई-के साथ साक्षात्कार में कहा कि कंपनी इस साल जनवरी, अप्रैल और जुलाई में पहले ही तीन बार कीमतें बढ़ा चुकी है। जुलाई में एसयूवी की कीमतों में करीब 2.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। उन्होंने कहा कि जिस कीमतों में हालिया वृद्धि को देखते हुए कंपनी अगले कुछ सप्ताह में तय करेगी कि एक और बढ़ोतरी की जरूरत है या नहीं। गोल्लागुंटा के मुताबिक, कीमतों में हालिया बढ़ोतरी का ग्राहकों की पूछताछ और बुकिंग पर फिलहाल कोई खास असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि महिंद्रा के वाहन अब भी माल एवं सेवा कर

नवरात्रि से दिवाली तक आती है बिक्री में तेजी

आमतौर पर नवरात्रि से दिवाली तक उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरणों की बिक्री में तेजी आती है और कंपनियां आकर्षक छूट एवं ऑफर देती हैं। ऐसे में बढ़ी हुई कीमतें ग्राहकों के खरीद निर्णय को प्रभावित कर सकती हैं। हालांकि, कंपनियों का कहना है कि डीलर और वितरकों के पास अगस्त-सितंबर में पुराने दाम पर खरीदा गया पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। इसलिए दिवाली तक कुछ उत्पाद पुराने दाम पर उपलब्ध रह सकते हैं। इसके बाद नए दाम बाजार में अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देने की संभावना है। उद्योग की रिपोर्ट के अनुसार ओणम से लेकर दशहरा और दिवाली तक का त्योहारी दौर घरेलू उपकरण विनिर्माताओं की सालाना बिक्री में करीब 30 से 40 प्रतिशत का योगदान देता है। ऐसे में कंपनियों के लिए बढ़ती लागत और त्योहारी मांग के बीच संतुलन बनाना बड़ी चुनौती होगी।

महिंद्रा फिर बढ़ा सकती है एसयूवी के दाम, अगले दो हफ्ते में होगा अंतिम फैसला

(जीएसटी) में कटौती से पहले की कीमतों के मुकाबले कम कीमत पर उपलब्ध हैं, जिससे मांग मजबूत बनी हुई है।



उन्होंने कहा कि आगामी त्योहारी सीजन में महिंद्रा के साथ-साथ पूरे वाहन उद्योग में मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। उन्होंने इसकी वजह जीएसटी कटौती के बाद कीमतों में कमी और उत्पन्न पोर्टफोलियो में बदलाव को बताया। हार्इब्रिड प्रौद्योगिकी के बारे में गोल्लागुंटा ने कहा कि महिंद्रा का मुख्य ध्यान इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पर है। उन्होंने कहा कि यदि नियामकीय व्यवस्था में बदलाव होता है तो कंपनी उसके अनुरूप अपनी रणनीति बदल सकती है, लेकिन फिलहाल

112 कैप्टिव कोयला प्लांटों को पूरी क्षमता से चलाने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में आने वाले महीनों में बिजली की मांग बढ़ने की उम्मीद के बीच केंद्र सरकार ने 112 कैप्टिव कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को अपनी उपलब्ध अधिकतम क्षमता पर चलाने का निर्देश दिया है। ये निर्देश 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक लागू रहेंगे। सरकार को मकसद बिजली उत्पादन की उपलब्ध क्षमता का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर ग्रिड में पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराना है। विद्युत मंत्रालय ने 25 सितंबर को जारी आदेश में 50 मेगावाट या उससे अधिक क्षमता वाले कैप्टिव कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को अपनी उपलब्ध क्षमता के अधिकतम स्तर पर बिजली उत्पादन करने को कहा है। यह निर्देश बिजली अधिनियम, 2003 की धारा 11 के तहत जारी किया गया है। कैप्टिव पावर प्लांट ऐसे बिजली संयंत्र होते हैं मुख्य रूप से किसी कंपनी या औद्योगिक इकाई की अपनी बिजली जरूरत पूरी करने के लिए लगाया जाता है। विद्युत मंत्रालय के मुताबिक मौजूदा समय में बिजली की मांग और आपूर्ति की स्थिति को देखते हुए आने वाले महीनों में मांग बढ़ने की उम्मीद है। ऐसे में सरकार बिजली की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रही है। मंत्रालय का कहना है कि बिजली उत्पादन के सभी स्रोतों की उपलब्ध क्षमता का अधिकतम इस्तेमाल करना जरूरी है। कैप्टिव प्लांट भी इसी व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। कैप्टिव प्लांटों को अपनी औद्योगिक जरूरत पूरी करने के बाद बची हुई बिजली को पावर एक्सचेंजों के जरिए बेचने के लिए उपलब्ध कराना होगा।

महिंद्रा फिर बढ़ा सकती है एसयूवी के दाम, अगले दो हफ्ते में होगा अंतिम फैसला

बिजलीचालित परिवहन कंपनी की प्राथमिकता है। कंपनी की उत्पादन क्षमता के बारे में उन्होंने बताया कि महिंद्रा के पास फिलहाल हर महीने करीब

अब साबुन और दूधपेस्ट पर भी लगेगा वेज-नॉनवेज का मार्क, सरकार ने बदले नियम

प्रतीक चिन्ह देना होगा

यह नियम पहले वर्ष 2014 में नियम 6(8)



के तहत लाया गया था, जिसे अब तकनीकी तौर पर संशोधित कर नियम 6(4ए)में स्थानांतरित किया गया है. हालांकि, इन दावों के वैज्ञानिक

सत्यापन को लेकर ड्रग टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड और लीगल मेट्रोलाजी विभाग के बीच कुछ पुराने नीतिगत मतभेद रहे हैं, जिन्हें सुलझाने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने एक एकीकृत व्यवस्था बनाने का निर्देश दिया है.

पैकेज्ड उत्पादों के इस राष्ट्रीय नियम के बीच, राज्य स्तर पर उत्तर प्रदेश सरकार ने भी खान-पान उद्योग में बदलाव की घोषणा की है. खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन द्वारा तैयार किए गए नए मानकों के तहत, प्रदेश के सभी होटलों, रेस्तरां और फास्ट-फूड काउंटरों में शाकाहारी और मांसाहारी भोजन को एक-दूसरे से पूरी तरह अलग रखने की व्यवस्था नवंबर 2026 से अनिवार्य होने जा रही है.

रिन्यूएबल एनर्जी इंडिया एक्सपो2026 से जैव ऊर्जा क्षेत्र में 2,800 करोड़ से ज्यादा के निवेश की उम्मीद: आईबीए

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में 22 से 24 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले रिन्यूएबल एनर्जी इंडिया एक्सपो 2026 से जैव ऊर्जा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पूंजी आने का अनुमान है। इंडियन बायोगैस एसोसिएशन के अनुसार यह राशि केंद्र सरकार की गोवर्धन योजना के कुल परिव्यय का करीब 12 फीसदी है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य निवेशकों और नीति-निर्माताओं को एक मंच पर लाकर कंफ्रेस्ट बायोगैस उत्पादन को बढ़ावा देना है।

भारत के जैव ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को नई गति मिलने की उम्मीद है। इंडियन बायोगैस एसोसिएशन (आईबीए) ने कहा है कि अगले महीने आयोजित होने वाले रिन्यूएबल एनर्जी इंडिया एक्सपो (आरईआई) 2026 से जैव ऊर्जा क्षेत्र में ?2,800 करोड़ से अधिक के नए निवेश का रास्ता खुल सकता है। इस बार एक्सपो में जैव ऊर्जा या बायोगैस को भारत के हरित विकास के प्रमुख माध्यम के रूप में विशेष महत्व दिया जा रहा है। इतिहासकितावें खोंगे

आरईआई-2026 का आयोजन 22 से 24 अक्टूबर तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट एंड सेंटर में होगा। आईबीए के मुताबिक, एक्सपो से अपेक्षित 2,800 करोड़ का निवेश ?23,731 करोड़ के गोबरधन (गैल्वानाईजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन) राष्ट्रीय चक्र्रीय जैव ऊर्जा योजना के कुल परिव्यय का करीब 12 प्रतिशत है।



हो गई है। वर्ष 2035-36 तक लागू रहने वाली इस योजना का उद्देश्य देश में कंफ्रेस्ट बायोगैस (सीबीजी) के उत्पादन को करीब दस गुना बढ़ाना, बड़े पैमाने पर निजी निवेश जुटाना और देश में संसाधनों के महत्तम उपयोग वाली जैव अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। आईबीए के अनुसार, आरईआई-2026 में निवेशकों, परियोजना डेवलपर, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और नीति-निर्माताओं को एक मंच पर लाकर नीतिगत पहल को बड़े पैमाने की परियोजनाओं में बदलने में मदद मिल सकती है। एक्सपो में इस बार जैव ऊर्जा मंडप अबतक का सबसे बड़ा होगा, जिसमें 2025 की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे।

संजना सांधी ने यूएन में उठाई युवाओं की आवाज

एक्ट्रेस संजना सांधी ने एक बार फिर भारत के युवाओं से जुड़े मुद्दों को वैश्विक मंच पर उठाया है। उन्होंने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक आधिकारिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने युवा सशक्तीकरण, शिक्षा और जमीनी स्तर पर विकास को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आज की पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए उतने संसाधन और मौके मिल रहे हैं, जितने उन्हें मिलने चाहिए? संजना ने कहा, ‘‘मैं पिछले करीब 12 साल से युवाओं और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर काम करती आ रही हूं। जब मैं टैनएजर थी, तब मुझे खुद महसूस हुआ था कि शिक्षा किस तरह मेरी जिंदगी बदल सकती है। उस समय मुझे यह बताने के लिए किसी का इंतजार नहीं करना पड़ा कि मुझे नेतृत्व करना चाहिए या शिक्षा ही बदलाव का रास्ता है। मैंने खुद इसे महसूस किया और उसी सोच के साथ आगे बढ़ी।’’ संजना ने कहा, ‘‘भारत के पास दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी है। ऐसे में यह सवाल बेहद जरूरी हो जाता है कि हम आने वाली पीढ़ियों को किस तरह तैयार कर रहे हैं। मैं लंबे समय से युवाओं के नेतृत्व में होने वाले विकास से जुड़ी रही हूं और इसी वजह से मेरे मन में यह सवाल उठता है कि क्या युवाओं को वह तैयारी और सुविधाएं मिल रही हैं, जिसके वे हकदार हैं।’’

अपने भाषण में संजना ने सैन्य खर्च का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ‘‘जब खबरों में बड़े सैन्य खर्च के आंकड़े दिखाई देते हैं, तो मैं सोचती हूं कि अगर उस रकम का छोटा सा हिस्सा भी शिक्षा और जमीनी विकास पर लगाया जाए तो काफी

बदलाव लाया जा सकता है। इस तरह के संसाधनों से प्राथमिक स्कूल, बेहतर मेडिकल सुविधाएं, वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर और आर्ट सेंटर बनाए जा सकते हैं, जिससे समाज की कई बुनियादी समस्याओं को स्थानीय स्तर पर हल करने में मदद मिल सकती है।’’ संजना ने युवाओं और व्यवस्था के बीच भरोसे की कमी को भी एक अहम मुद्दा बताया। उन्होंने कहा, ‘‘असली समस्या सिर्फ संसाधनों की नहीं, बल्कि भरोसे की भी है। युवा सिर्फ ऐसी नीतियों के लाभार्थी बनकर नहीं रहना चाहते, जिनका फैसला ऐसे लोग करें, जो उन फैसलों के लंबे समय के असर का सामना खुद नहीं करेंगे। युवाओं को फैसले लेने और बदलाव की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल किया जाना चाहिए।’’

संजना ने कहा, ‘‘मेरा सपना है कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों से जुड़ी समस्याओं को सामूहिक प्रयास के जरिए जल्द से जल्द हल किया जाए। मैं नहीं चाहती हूं कि हालात ऐसे बनें कि युवाओं को अपनी बात रखने के लिए सड़कों पर उतरना पड़े। बदलाव की शुरुआत समाज के भीतर मिलकर काम करने से हो सकती है।’’

संजना को संयुक्त राष्ट्र में भारत की प्रमुख युवा महिला आवाजों में से एक के तौर पर प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया। उन्होंने वहां दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से आए प्रतिनिधियों, बदलाव के लिए काम करने वाले लोगों और प्रभावशाली हस्तियों के साथ युवा भागीदारी, नए तरीके से सामाजिक काम और सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रगति जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

‘जेलर 2’ की कास्ट में शामिल हुईं विद्या बालन

‘जेलर 2’ के मेकर्स धीरे-धीरे उन कलाकारों के किरदारों से पर्दा उठा रहे हैं जो इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल में रजनीकांत के साथ नजर आएंगे। इस कड़ी में अब विद्या बालन का नाम भी जुड़ गया है। मेकर्स ने अब विद्या के किरदार का पहला लुक जारी किया है। वह ‘कांथा’ का किरदार निभा रही हैं। इस किरदार के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन नए वीडियो में उन्हें एक जबरदस्त अंदाज में पेश किया गया है। वीडियो में विद्या नीली साड़ी और काले ब्लाउज में नजर आ रही हैं। उनके हाथ में सिगरेट है और वह सीढ़ियों से उतरकर एक कमरे में दाखिल होती हैं। वीडियो में ज्यादा कुछ तो नहीं दिखाया गया है लेकिन एक बात साफ है कि कांथा का किरदार कोई शांत या दबू किस्म का नहीं है। इस सीन में विद्या का अंदाज काफी प्रभावशाली और दबंग है। क्या होगा विद्या बालन का किरदार? मेकर्स ने अभी तक यह नहीं बताया है कि कहानी में कांथा का क्या रोल है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक, विद्या मिथुन चक्रवर्ती की बड़ी बेटा का किरदार निभाएंगी। कहा जा रहा है कि मिथुन ‘जेलर 2’ में मुख्य विलेन (खलनायक) की भूमिका में होंगे और रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। हिंदुस्तान टाइम्स ने पहले एक सूत्र के हवाले से कहा था, ‘विद्या मिथुन चक्रवर्ती की बड़ी बेटा का रोल निभा रही हैं।’ खास हुई ‘जेलर 2’ की कास्ट ‘जेलर 2’ में ऑरिजिनल कास्ट के कई

सदस्य भी वापसी कर रहे हैं, जिनमें राम्या कृष्णन, योगी बाबू, मिर्ना और ऋत्विक् शामिल हैं। इस सीक्वल में कलाकारों की एक शानदार नई टीम भी शामिल है, जिसमें एसजे सुर्या, मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन, सुरज वैजारागड्डु, अन्ना राजन और जतिन सरना शामिल हैं। फिल्म में कई कैमियो रोल भी होने की उम्मीद है। खबरों के अनुसार मोहनलाल, शिवा राजकुमार, जैकी श्रॉफ, विजय सेतुपति और ऋत्विक् रोशन इस प्रोजेक्ट से जुड़ सकते हैं, हालांकि मेकर्स ने अभी तक इन सभी नामों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। विद्या के ‘कांथा’ के रूप में शामिल होने के साथ ही, ‘जेलर 2’ की कास्ट का एक और अहम हिस्सा तय हो गया है।



भारतीय-अमेरिकी समुदाय पर है आधारित अपकर्मिंग वेब सीरीज ‘अनकस्टमड अर्थ’

यह सीरीज कैम्ब्रिज, बोस्टन और मैसाचुसेट्स में रहने वाले कई पीढ़ियों के भारतीय-अमेरिकी समुदाय की कहानी है। यह कहानी अलग-अलग पीढ़ियों के बीच प्यार, नुकसान, अपनापन और रिश्तों जैसे विषयों को दिखाती

है। फ्रीडा पिंटो ने पारुल चौधरी का रोल निभाया है, जो एक पत्नी और मां हैं और जिन्होंने कभी अपने पिता की इच्छा का सम्मान करने के लिए अपने कॉलेज के रोमांस को छोड़ दिया था। कैसर का पता चलने के बाद, पारुल अपने परिवार को भारत से वापस कैम्ब्रिज ले आती हैं, जिसे वह अपना घर मानती है। अपनी बीमारी का सामना करते हुए, पारुल उस जिंदगी को जीने का फैसला करती हैं, जिसे उन्होंने कभी छोड़ दिया था। उनके फैसलों का असर उनके परिवार और उनके आस-पास के बड़े प्रवासी समुदाय पर पड़ता है। फ्रीडा पिंटो और सिद्धार्थ अलावा, सीरीज में इंद्रनील सेनगुप्ता ‘जय’ के रोल में, परवीन कौर ‘नीना’ के रोल में, सरायू ब्लू ‘रुमा’ के रोल में, जस्टिन बाथे ‘एडम’ के रोल में, आदि रॉय ‘कौशिक’ के रोल में, आइला सुंदरसिंह मैकेग ‘हेमा’ के रोल में और जयंत कृपालानी ‘प्रणब’ के रोल में हैं। अन्य कलाकारों में इशिता बंसल ‘दिव्या’ के रोल में, मीरा सिम्हम ‘स्वाति’ के रोल में, रवि कपूर ‘विशाल’ के रोल में, स्वयं भाटिया ‘सुधा’ के रोल में और पलोमी घोष ‘अंजलि’ के रोल में हैं। ‘3 बोर्डे प्रॉब्लम’ और ‘द नेवर्स’ पर अपने काम के लिए जानी जाने वाली माधुरी शेखर इस शो की राइटर और शो-रनर हैं। वह जॉन वेल्स, झुम्पा लाहिड़ी, निशा गानात्रा, एरिक सालेह, एरिन जॉटो और सेलिया कोस्टास के साथ एजीक्यूटिव प्रोड्यूसर भी हैं।

कब रिलीज होगी सीरीज रितेश बत्रा ने पहले दो एपिसोड को डायरेक्ट किया है और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस किया है। ‘अनकस्टमड अर्थ’ को वार्नर ब्रदर्स टेलीविजन ने प्रोड्यूस किया है। यह 17 दिसंबर, 2026 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।



‘संस्कार’ को लेकर पहले थोड़ी झिझक में थीं मुग्धा गोडसे

एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट ‘संस्कार’ को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने अब तक के ग्लैमरस अंदाज से बिल्कुल अलग एक साधारण गृहिणी के किरदार में नजर आ रही हैं। उन्होंने आईएनएस से बात करते हुए बताया कि जब उन्हें पहली बार इस प्रोजेक्ट का ऑफर मिला था, तो वह इसे लेकर थोड़ी झिझक में थीं लेकिन कहानी ने उनका ध्यान अपनी ओर खींचा। बातचीत में मुग्धा ने कहा, ‘‘मैंने पहले कभी इस तरह का किरदार नहीं किया था, इसलिए ऑफर मिलने पर मेरे मन में थोड़ी हिचक थी। शो की कहानी ऐसी थी जिसने मुझे इसके बारे में और जानने के लिए उत्सुक किया। एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को नजरअंदाज करने लगता हूँ। मुग्धा ने कहा, ‘‘शूटिंग शुरू होने के बाद मेरी शुरुआती झिझक पूरी तरह दूर हो गई। जैसे-जैसे मैं

प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती गई, मुझे महसूस हुआ कि इसे करने का फैसला सही था। इस तरह के शो बहुत कम देखने को मिलते हैं, इसलिए मैं इसका हिस्सा बनकर खुश हूँ। जब मुझे पता चला कि इसे डीडी नेशनल के साथ-साथ उनके डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब्स ओटीटी पर भी टेलीकास्ट किया जाएगा, तो मेरी खुशी और बढ़ गई।’’



‘लास्ट मैन इन टावर’ में अपने किरदार के बारे में मनोज बाजपेयी ने बात की

नेशनल अवॉर्ड विनर एक्टर मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म ‘लास्ट मैन इन टावर’ को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके किरदार को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिव्यूज मिल रहा है। आईएनएस को दिए इंटरव्यू में मनोज ने बताया कि उनका किरदार परिवार में हमेशा ‘अच्छा इंसान’ और ‘बड़ा इंसान’ बने रहने की चाह में इतना आगे निकल जाता है कि वह अपने ही परिवार की जरूरतों को नजरअंदाज करने लगता है। मनोज बाजपेयी फिल्म में एक ऐसे रिटायर्ड स्कूल टीचर और विधुर का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी जिंदगी में खुद को हमेशा परिवार का सही और जिम्मेदार इंसान मानता रहा है। उसे लगता है कि उसने अपने परिवार के लिए बहुत कुछ किया है और जरूरत पड़ने पर हमेशा अपने भाइयों के साथ खड़ा रहा है। लेकिन, जब उसका बेटा उसे उसकी ही सोच का दूसरा पहलू दिखाता है, तो उसके लिए खुद को सही मानने की तस्वीर बदलने लगती है। बात करते हुए मनोज ने कहा, ‘‘मेरा किरदार हर चीज को सही और गलत के नजरिए से देखने का आदी है। उसके लिए किसी भी परिस्थिति को बीच

के रास्ते से देखने की गुंजाइश कम है। अगर मेरे किरदार की बैकस्टोरी को समझा जाए तो उसके बारे में कई बातें उसके बेटे के जरिए सामने आती हैं। वह परिवार में हमेशा खुद को अच्छा और दूसरों से बड़ा साबित करने की कोशिश करता रहा है। उसे लगता है कि उसने अपने भाइयों के लिए बहुत कुछ किया है। उनकी मदद करके वह परिवार में अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रहा है। यही सोच धीरे-धीरे उसके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती है।’’ मनोज ने कहा, ‘‘अपने परिवार के लिए कुछ करने और खुद को परिवार का ‘बड़ा इंसान’ समझने की इस कोशिश में वह अपने सबसे करीबी परिवार को ही कहीं पीछे छोड़ देता है। उसे हमेशा लगता है कि उसने अपने भाइयों के लिए इतना कुछ किया है, इसलिए उसके फैसलों और त्याग की कद्र होनी चाहिए। लेकिन जब उसका बेटा उसके सामने यह बात रखता है कि उसकी इस सोच और व्यवहार का असर उसके अपने परिवार पर भी पड़ा है, तो उसके अंदर की पूरी तस्वीर हिल जाती है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘उस वक्त मेरे किरदार को एहसास होता है कि जिस काम को वह इतने समय से अपनी सबसे बड़ी

अच्छाई मानता आया था, वही उसके आसपास के लोगों के लिए परेशानी की वजह भी बन रहा था। कई बार हम अपनी ही अच्छाई या महानता के इतने आदी हो जाते हैं कि यह देखना बंद कर देते हैं कि हमारी वही ‘महानता’ दूसरों के लिए किस तरह मुश्किलें पैदा कर रही है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘इंसान अक्सर अपने किए हुए कामों को एक खास नजरिए से देखता है और खुद को सही साबित करने की कोशिश करता रहता है। असल चुनौती खुद को समझने की होती है। मेरे किरदार के साथ भी कुछ ऐसा ही होता है, जहां उसे अपनी सोच और अपने फैसलों को एक अलग नजरिए से देखने का मौका मिलता है।’’ ‘लास्ट मैन इन टावर’ अरविंद अडिगा के इसी नाम के नॉवेल पर आधारित है। फिल्म की कहानी तेजी से बदलती मुंबई की पृष्ठभूमि में सेट है। इसमें मनोज के किरदार की जिंदगी तब बदल जाती है, जब एक बड़ा बिल्डर उस पुरानी इमारत के सभी लोगों को अच्छी रकम देकर घर खाली करने का ऑफर देता है। ज्यादातर लोग इस ऑफर को स्वीकार करने के लिए तैयार हो जाते हैं, क्योंकि

इसके बदले उन्हें बड़ी रकम मिल रही होती है। लेकिन मनोज का किरदार अपना घर छोड़ने से साफ इनकार कर देता है। इसके बाद वह पूरी बिल्डिंग को खाली कराने और वहां लज्जरी टावर बनाने की योजना के बीच अकेली बड़ी रुकावट बन जाता है। कहानी सिर्फ घर बचाने की लड़ाई तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसके जरिए परिवार, रिश्तों, पैसे, सोच और इंसान के अपने बारे में बनाए नजरिए को भी दिखाया गया है।



पहली बार होस्ट के तौर पर नजर आएंगे पंकज त्रिपाठी

अभिनेता पंकज त्रिपाठी आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 में पहली बार होस्ट के तौर पर नजर आने वाले हैं। अभिनेता ने इसे एक्टिंग से ‘बिल्कुल अलग’ अनुभव बताया। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में दूसरे के किरदार को निभाया और आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 में होस्ट करना रोमांचक और सम्मान देने वाला है। उन्होंने कहा, ‘‘एक एक्टर के लिए कुछ पल ऐसे होते हैं जो थोड़ी ज्यादा घबराहत और बहुत सारी खुशी लेकर आते हैं और पहली बार आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स को होस्ट करना उन्हीं में से एक है। मैंने अपने सफर का ज्यादातर समय कैमरे के सामने किरदारों के जरिए कहानियां सुनाते हुए बिताया है, इसलिए आईआईएफए के मंच पर बिल्कुल अलग भूमिका में आना मेरे लिए रोमांचक और सम्मान की बात दोनों हैं।’’ उन्होंने आगे कहा, ‘‘ऐसा पहली बार होगा जब मैं किसी अवॉर्ड शो को होस्ट करूंगा, जो इस पल को मेरे लिए और भी खास बनाता है। डिजिटल दुनिया ने कहानियां बनाने, खोजे जाने और पसंद किए जाने के तरीके को बदल दिया है और आईएफएफए का इस नई पीढ़ी को पहचान देना बहुत मायने रखता है। इतने सारे प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रिएटर्स के साथ इस जश्न का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। अभिनेता पंकज त्रिपाठी का मानना है कि आईआईएफए ने हमेशा ही सिनेमा को दुनिया के सामने दिखाया है। उन्होंने कहा, ‘आईआईएफए हमेशा से भारतीय सिनेमा को दुनिया भर के दर्शकों तक लेकर गया है और मैं भी जोश, गर्मजोशी और थोड़े से ह्यूमर के साथ आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 के मंच पर आने के लिए उत्सुक हूं। मैं स्टैंज के दूसरी तरफ से आईआईएफए के जादू को महसूस करने का इंतजार नहीं कर सकता और उम्मीद करता हूं कि मैं इसके साथ न्याय कर पाऊंगा।’’ इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईआईएफए) के अपकर्मिंग एडिशन में डिजिटल और मेन अवॉर्ड सेरेमनी के लिए होस्ट के दो जोड़े होंगे। पंकज त्रिपाठी और अली फजल आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे, जबकि करण जोहर और वरुण धवन आईआईएफए अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे। स्टार-स्टडेड सेलिब्रेशन में सलमान खान, शाहिद कपूर, करीना कपूर खान और जाह्नवी कपूर की स्पेशल परफॉर्मेंस भी होगी।



138वें ‘मन की बात’ कार्यक्रम का हुआ सामूहिक प्रसारण

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हिसार जिला के बरवाला विधानसभा क्षेत्र के बृथ संख्या-31 स्थित बाल संस्कार वाटिका में रविवार को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम के 138वें एपिसोड का सामूहिक प्रसारण किया गया।

कार्यक्रम में हरियाणा सरकार में लोक निर्माण विभाग एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने मुख्य रूप से शिरकत की। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने प्रधानमंत्री के विचारों को सुना।

कार्यक्रम के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर माह ‘मन की बात’ कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों से संवाद करते हैं। इस कार्यक्रम में देश में हो रहे सकारात्मक बदलावों, विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे भारत तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों की उपलब्धियों को देश के सामने रखा जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ‘मन की बात’ के माध्यम से ऐसे सामान्य नागरिकों और महान व्यक्तित्वों का भी उल्लेख करते हैं, जो अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए समाज और देश को मजबूत बनाने में योगदान दे रहे हैं। ऐसे लोगों की प्रेरक कहानियों से समाज के अन्य लोगों को भी आगे बढ़ने और देशहित में योगदान देने की प्रेरणा मिलती है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम देशवासियों को राष्ट्र निर्माण से जुड़ने, समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करने का माध्यम बन गया है। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों से प्रधानमंत्री के संदेशों को आत्मसात करने हुए समाज हित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन श्री राजेश ठाकुराल, बरवाला नगर परिषद के अध्यक्ष श्री रमेश बैटरीवाला , पूर्व उपमहान श्री रणधीर धीरू सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दनौदा में सेवा संकल्प अभियान के तहत लगा निःशुल्क मेडिकल कैंप

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जींद के गांव दनौदा में रविवार को सर्वजातीय बिना धन के चबूतरे पर विशाल निःशुल्क मेडिकल चेकअप कैंप आयोजित किया गया। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने शिविर में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने चिकित्सा शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और स्वास्थ्य जांच करवाने पहुंचे लोगों से बातचीत की।

शिविर में क्षेत्र के ग्रामीणों, प्रबुद्ध नागरिकों तथा जरूरतमंद लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाई। चिकित्सा टीम ने विभिन्न स्वास्थ्य जांच करते हुए लोगों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। गांव में ही निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होने से ग्रामीणों को सुविधा मिली।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि स्वस्थ समाज ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला है। लोगों को समय पर स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध करवाने के लिए ऐसे शिविर महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनसेवा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है।

उन्होंने ग्रामीणों से अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर समय रहते चिकित्सीय सलाह लेना जरूरी है। मंत्री ने कहा कि जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना समाज सेवा का महत्वपूर्ण कार्य है। इस प्रकार के जनहितकार्य अभियानों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा मिलता है।

हरियाणा सरकार ने शुरू की "पेटेंट समर्थन, व्यवसायीकरण एवं नवाचार सुविधा नीति 2026-27"-शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने बताया कि राज्य में अनुसंधान, तकनीकी प्रगति और नवाचार को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आधिकारिक तौर पर ‘हरियाणा पेटेंट समर्थन, व्यवसायीकरण एवं नवाचार सुविधा नीति 2026-27 के दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि यह नीति प्रदेश के सभी सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त (एडेड) महाविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों और राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों एवं शोधकर्ताओं के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य राज्य के युवाओं को केवल ज्ञान तक सीमित रखना नहीं है, बल्कि उन्हें नए शोध और वैश्विक स्तर के पेटेंट विकसित करने के लिए प्रेरित करना है। इस नीति के तहत, यदि कोई छात्र, शोधकर्ता या संस्थान अपने नवाचार का पेटेंट पंजीकृत कराता है, तो पंजीकरण शुल्क का 100 प्रतिशत (अधिकतम 50,000 रुपये तक) पुनर्भुगतान हरियाणा सरकार द्वारा किया जाएगा।

श्री महीपाल ढांडा ने बताया कि सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के उपरांत योजना से संबंधित विस्तृत मार्गदर्शिका जारी कर दी गई है और सभी संबंधित महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों को आवश्यक कार्रवाई आदेश प्रेषित कर दिए गए हैं।

शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों से अपील की है कि वे अपने परिसर में अनुसंधान और नवाचार केंद्र को सक्रिय करें ताकि अधिक से अधिक युवा इस प्रोत्साहन राशि का लाभ उठाकर अपने बौद्धिक संपदा अधिकारों को सुरक्षित कर सकें।

जिला समाज कल्याण कार्यालय, पंचकूला द्वारा सेवा सेतु शिविरों का आयोजन



हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। जिला समाज कल्याण कार्यालय, पंचकूला द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के पंजीकरण हेतु दो सेवा सेतु शिविरों का आयोजन किया गया।

पहला शिविर हुनर वोक्शेशनल सेंटर, शिव मंदिर के निकट, गांव बीड़ घग्गर तथा दूसरा शिविर , एम.सी. कार्यालय, अभयपुर में आयोजित किया गया।

इन दोनों शिविरों में कुल 250 लाभार्थियों तक पहुंच बनाई गई। इनमें से 160 लाभार्थियों के आवेदन सफलतापूर्वक जमा किए गए। शेष लाभार्थियों को योजना में आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। जिन लाभार्थियों के आवेदन जमा नहीं हो सके, उनके पास आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध न होने के कारण आवेदन प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो सकी। उन्हें आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध होने पर पुनः आवेदन करने के लिए प्रेरित किया गया।

जिला समाज कल्याण कार्यालय, पंचकूला ने आमजन से अपील की है कि वे सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए सेवा सेतु शिविरों में पहुंचें तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने आवेदन समय पर जमा करावें।

सेवा संकल्प सेवा यात्रा का मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया स्वागत

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने न कभी छुट्टी की चिंता की और न आराम को प्राथमिकता दी। उनके लिए 140 करोड़ देशवासी ही परिवार हैं। गरीब की पीड़ा, किसान की चिंता और युवा का सपना उनका अपना है। माताओं-बहनों का सम्मान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है, जबकि सीमा पर खड़े सैनिक का साहस उनका संकल्प है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत गुजरात के वडनगर से वाराणसी तक निकाली जा रही सेवा यात्रा (मोटरसाइकिल यात्रा) के स्वागत को लेकर महेंद्रगढ़ के गांव गोद में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यात्रा का स्वागत किया और कार्यक्रम के बाद हरी झंडी दिखाकर उसे आगे गंतव्य के लिए रवाना किया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि यह यात्रा सेवा से संकल्प, संकल्प से सिद्धि और सिद्धि से विकसित भारत तक की यात्रा है। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ इतिहास, पराक्रम, जन चेतना और राष्ट्रीय

एम्स माजरा दक्षिण हरियाणा की स्वास्थ्य सेवाओं में बनेगा मील का पत्थर : डॉ. अर्चना गुप्ता

रेवाड़ी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के कार्यकाल में हरियाणा ही नहीं, पूरे देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े बदलाव हुए हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में भी युवाओं के लिए अवसर बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी में स्थापित हो रहा एम्स दक्षिण हरियाणा की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

रविवार सुबह भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने ‘कहानी बदलाव की’ मुहिम के तहत भालखी-माजरा में 210 एकड़ में करीब 1600 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित हो रहे अखिल भारतीय आधुनिकज्ञान संस्थान (एम्स), रेवाड़ी का दौरा किया। उन्होंने पूरे प्रोजेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी लेने के बाद वहां कार्यरत प्रोजेक्ट टीम और भाजपा पदाधिकारियों से संवाद किया।

डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बोते 12 वर्षों में मेडिकल शिक्षा, उच्च शिक्षा, कॉलेज और स्कूल स्तर के शिक्षा ढांचे में बड़े बदलाव हुए हैं। युवाओं की रुचि और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रमों तथा शैक्षणिक अवसरों को भी बढ़ावा मिला है। एम्स रेवाड़ी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ‘मन की बात’ देश-दर्शन यात्रा जो देश के महापुरुषों और प्रेरणादायक कार्यों का है जीवंत दर्पण- ऊर्जा मंत्री अनिल विज

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि ‘प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन-की’ बात देश-दर्शन यात्रा हैं, सारे देश में कहा-कहां पर कौन-कौन, समाज, लोग, महापुरुष प्रेरणादायक काम कर रहे हैं, मोदी उन्हें मन-की-बात कार्यक्रम के माध्यम से दिखाने का प्रयास कर रहे हैं।

मन-की-बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले अशोक सिंहल के बारे देश को बतावा है जिनके प्रयासों से राम जन्मभूमि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनाया गया।

मंत्री श्री अनिल विज रविवार को अम्बाला छावनी के सेंट्रल फीनिक्स क्लब में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन-की-बात कार्यक्रम के 138वां देखने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी के बारे में बताया और स्वच्छता से जोड़कर बताया कि आज हर प्रदेश, हर गली, हर मोल्ले में स्वच्छता अभियान को लेकर कार्य किया जा रहा है और इससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। स्वच्छता सबसे बड़ा अभियान है, जन भागीदारी के बिना इसको पूरा नहीं किया जा सकता है। मोदी ने इस तरफ भी हम सबका ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया है।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता में कोताही करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई-उपायुक्त

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने मिठाई और खाद्य प्रतिष्ठानों के विक्रेताओं को सचेत करते हुए कहा कि खाद्य सामग्री की गुणवत्ता में कमी या मिलावट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह कोई भी विक्रेता नागरिकों की सेहत से खिलवाड़ करता पाया गया तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उन्होंने सभी विक्रेताओं से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ-साथ दुकानों में स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखने के भी



निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि त्योहारी सीजन में बड़ी संख्या में लोग मिठाइयों और अन्य खाद्य सामग्री

के बावजूद इन संस्थाओं की गरिमा बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों और नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। प्रेस वार्ता में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार राजीव जेटली भी मौजूद रहे।

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने से पहले तथ्य सामने रखे विपक्ष

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ समय से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की ओर

चंडीगढ़/ हरियाणा / पंजाब

● *न मोदी ने छुट्टी की चिंता की, न आराम को दी प्राथमिकता; 140 करोड़ देशवासी ही उनका परिवार : नायब सिंह सैनी



मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद लाल किले से स्वच्छता का संदेश दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन को गरीब के स्वास्थ्य, नारी की गरिमा और देश के सम्मान से जोड़ते हुए आगे बढ़ाया गया। उच्चला योजना के माध्यम से गरीब माताओं को धुएं से मुक्ति, जबकि हर घर बिजली, नल से जल, जनधन योजना और पक्के मकान के लिए अभियान चलाए गए। आयुष्मान भारत ने गरीब परिवारों को उपचार का भरोसा

दिया, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि ने किसानों को आर्थिक संबल दिया और मुफ्त राशन ने संकट के समय करोड़ों परिवारों की रसोई का चूल्हा जलाए रखा।

उन्होंने कहा कि भारत आज डिजिटल क्रांति का नेतृत्व कर रहा है और यू.पी. आई. पूरी दुनिया के लिए उदाहरण बन चुका है। स्टार्टअप, अंतरिक्ष, ड्रोन, एआई, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में युवा देश की नई पहचान बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारा तिरंगा चंद्रमा के उस दक्षिणी ध्रुव के पास लहरा रहा है, जहां दुनिया का कोई देश पहले नहीं पहुंच पाया था। यह सफलता उस नए भारत के आत्मविश्वास की विजय है, जो कठिन से कठिन लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने का साहस रखता है। भारत अब दूसरों के बनाए रास्तों पर चलने वाला नहीं, बल्कि दुनिया को नए रास्ते दिखाने वाला राष्ट्र बन रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी भारत की नीति और पहचान बदली है। भारत शांति चाहता है, लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं करता।

लुधियाना में बाबा बागेश्वर धाम सरकार की हनुमान कथा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लिया हिस्सा

मुख्यमंत्री ने युवाओं से किया नशे, नकारात्मकता से दूर रहकर शिक्षा, खेल, कौशल, रोजगार और राष्ट्र निर्माण में ऊर्जा लगाने का आह्वान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को लुधियाना में आयोजित बाबा बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी की हनुमान कथा में भाग लिया और उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने संकटमोचन हनुमान जी के चरणों में नमन करते हुए पंजाब की पावन धरती तथा गुरु साहिबान की महान परंपरा को भी श्रद्धापूर्वक प्रणाम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का अवसर अत्यंत विशेष है। यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, संस्कार,



जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को गुरुग्राम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ‘मन की बात’ रेडियो कार्यक्रम के 138वें संस्करण का श्रवण किया। इस अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत मुख्यमंत्री ने खेल के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण भी किया और लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने युग बॉक्सर क

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 2 स्वर्ण पदक तथा थाईलैंड में एशियन गोल्ड मेडल जीतने, निकिता सहरावत को अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल करने तथा सुबोध भट्ट को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 3 स्वर्ण एवं 2 कांस्य पदक जीतने की उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। निशांत दायमा का राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती प्रतियोगिताओं में 1 स्वर्ण एवं 2 रजत पदक, सचिन को राष्ट्रीय जूनियर कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक तथा प्रिया यादव को अंतराष्ट्रीय स्तर पर 2 स्वर्ण, 2 रजत एवं 4 कांस्य पदक हासिल करने की उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।

संस्कृति और सेवा का संगम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हनुमान जी केवल शक्ति के प्रतीक नहीं, बल्कि भक्ति, सेवा, समर्पण, साहस और विनम्रता के भी सर्वोच्च आदर्श हैं। उनके पास अपार शक्ति थी, लेकिन उनमें अहंकार नहीं था। उनमें अद्भुत ज्ञान था, लेकिन दिखावा नहीं था। उनका पूरा जीवन प्रभु श्रीराम की सेवा और लोक-कल्याण के लिए समर्पित रहा।

युवाओं से नशे से दूर रहने और अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगाने का आह्वान

मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान किया कि वे नशे, निराशा और नकारात्मकता से दूर रहें तथा अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल, कौशल, रोजगार, सेवा और राष्ट्र निर्माण में लगाएं।

उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियां और चुनौतियां जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन मजबूत इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के साथ उनका सामना किया जा सकता है। संकट की घड़ी में संकटमोचन हनुमान जी का सम्मान हमें साहस और विश्वास प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं की ऊर्जा देश की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं को अपने जीवन में अनुशासन, परिश्रम, संस्कार और सकारात्मक सोच को अपनाकर देश की प्रगति में योगदान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमें आधुनिक भी बनना है और अपनी जड़ों से जुड़े भी रहना है। तकनीक हमारे हाथ में हो, लेकिन संस्कार हमारे हृदय में रहें और आधुनिक ज्ञान के साथ बच्चों के जीवन में माता-पिता तथा गुरुजनों के प्रति सम्मान भी बना रहे।

मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम में श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में अशोक सिंहल के योगदान को किया स्मरण



अशोक सिंहल के जन्म शताब्दी वर्ष के उदघाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। इससे पहले उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में अशोक सिंहल जी पर आधारित प्रदर्शनों का भी अवलोकन किया।

समारोह में उद्योग एवं वाणिज्य

मंत्री राव नरबीर सिंह, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा और मेयर नगर निगम गुरुग्राम राजरानी मल्होत्रा उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ महापुरुषों

मन की बात’ देशवासियों को राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जोड़ने का है सशक्त माध्यम-मंत्री कृष्ण लाल पंवार

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के विकास एवं पंचायत तथा खसन मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने रविवार को पानीपत के इसराना विधानसभा क्षेत्र के वैसर गांव में ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 138वें एपिसोड को सुना।

इस मौके पर मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा ‘मन की बात’ के माध्यम से देशवासियों के साथ किया जाने वाला संवाद भारत की लोकतांत्रिक और सामाजिक शक्ति का एक अनूठा उदाहरण है। इस कार्यक्रम के माध्यम से देश के अलग-अलग राज्यों, गांवों और क्षेत्रों में समाज हित के लिए कार्य कर रहे लोगों की प्रेरणादायक कहानियां पूरे देश तक पहुंचती हैं। प्रधानमंत्री जी इन प्रयासों को देश के सामने रखकर आम नागरिकों को भी सकारात्मक बदलाव का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि ‘मन की बात’ केवल प्रधानमंत्री जी का जीवादन नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों की भावनाओं, उपलब्धियों और आकांक्षाओं को एक मंच प्रदान करने वाला कार्यक्रम है। इसके माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण, युवाओं की प्रतिभा, खेल, शिक्षा और सामाजिक सरोकार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर देशवासियों को प्रेरणा मिलती है।

जा रहे सवालों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने एसआईआर से जुड़े अपने निर्णयों और प्रक्रिया के संबंध में स्थिति स्पष्ट की है। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार 24 जून 2025 को एसआईआर से संबंधित आदेश जारी किया गया था और बाद में विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में इसके संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर फार्म -6 और घोषणा-पत्र के संबंध में भी भ्रम फैलाने का प्रयास किया गया, जबकि चुनाव आयोग के मौजूदा मतदाता सेवा पोर्टल पर फार्म -6 और घोषणा-पत्र की प्रक्रिया स्पष्ट रूप से उपलब्ध है।

एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की स्थिति स्पष्ट — मुख्यमंत्री

श्री नायब सिंह सैनी ने विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए

से चुनाव आयोग, चुनाव प्रक्रिया और अन्य

संवैधानिक संस्थाओं को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाना लोकतंत्र